आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 23 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 13 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

महाकुंभ का शंखनाद

80 लाख श्रद्धालुओं ने किया 'अमृत स्नान'

प्रयागराज (ब्यूरो)। पौष पूर्णिमा के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हो गया है। पवित्र स्नान का आज पहला दिन है। लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान शुरू कर दिया है। अनुमान है कि इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान करेंगे। पौष पूर्णिमा के साथ ही 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ के पहले दिन से प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। हजारों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। आज दोपहर तक 80 लाख श्रद्धालुओं ने संगम तट पर डुबकी लगा ली है। यह गंगा, यमुना और 'रहस्यमय' सरस्वती नदियों का पवित्र संगम है। 144 साल बाद दुर्लभ संयोग में रविवार की आधी रात संगम पर पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। विपरीत विचारों, मतों, संस्कृतियों, परंपराओं स्वरूपों का गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के तट पर महामिलन 45 दिन तक चलेगा। इस अमृतमयी महाकुंभ में देश-दुनिया से 45 करोड़ श्रद्धालुओं, संतों-भक्तों, कल्पवासियों और अतिथियों के डुबकी लगाने का अनुमान है।

प्रयागराज में आज से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होने का अनुमान है. पहले दिन से ही तीर्थ राज प्रयाग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटना शुरू हो गई है। वैसे तो कुंभ में सभी दिन भक्तों की भारी भीड़ लगने की संभावना है, लेकिन शाही स्नान वाले दिन ये भीड़ कई गुना ज्यादा तक बढ़ सकती है। कल सभी अखाड़े अपने क्रम के अनुसार स्नान करेंगे। सूचना निदेशक शिशिर ने बताया शनिवार की सुबह तक संगम में स्नान करने के लिए 33 लाख श्रद्धालु आए. पिछले दो दिनों में 85 लाख से ज्यादा लोगों ने नदी में स्नान किया. इस साल महाकुंभ में 45 करोड़ से ज्यादा लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे यह इतिहास में सबसे बड़ा समागम बन जाएगा। महाकुंभ में शामिल होने के लिए दुनियाभर से लोग पहुंचे हैं. एक रूसी श्रद्धालु ने महाकुंभ की दिव्यता देखकर कहा कि मेरा भारत महान. हम पहली बार कुंभ मेले में आए हैं।

जेवर एयरपोर्ट के दौरे पर दिल्ली के एलजी

सांसद ने दिल्ली के उपराज्यपाल का डीएनडी पर किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। आज डीएनडी पर सांसद डा. महेश शर्मा तथा भाजपा के नेताओं ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री सक्सेना एयरपोर्ट के निर्माण में हासिल की गई गति और मॉडल को समझने के उद्देश्य से जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण करने जेवर जा रहे थे।

इस दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल का **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आबकारी विभाग के टेस्ट में फंसे विक्रेता

प्रिंट रेट से ज्यादा वसूला, एफआईआर दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आबकारी विभाग की टीम द्वारा गोपनीय रूप से कराए गए परचेज टेस्ट में दो शराब विक्रेता फंस गए। निर्धारित से अधिक मूल्य वसूलने पर शराब तथा बियर ठेके के विक्रेता के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आबकारी विभाग सर्किल 4 के आबकारी निरीक्षक अभिनव शाही ने थाना बिसरख में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि प्रिंट रेट से अधिक रुपए वसूल ने की शिकायत पर उन्होंने रोजा याकूबपुर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर गोपनीय तरीके से एक ग्राहक को भेजा। उनके द्वारा भेजे गए ग्राहक ने दुकान से इंपीरियल ब्लू का क्वार्टर खरीदा। सेल्समैन ने उससे 150 की बजाय 160 रुपए ले लिए। उसके बाद टीम ने विक्रेता प्रदीप पुत्र ओंकार को हिरासत में ले लिया। प्रदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। आबकारी विभाग की टीम ने रोजा याकूबपुर में ही बीयर की दुकान पर भी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

स्कूल और घर के सामने से बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से चोरों ने चार दो पहिया वाहनों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

थाना फेस तीन क्षेत्र के सेक्टर-73 में रहने वाले पंकज कुमार ने अपनी स्कूटी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पंकज कुमार ने बताया कि वह 26 अक्टूबर की रात्रि को सेक्टर 71 शनि मार्केट में सब्जी खरीदने गया था। उसने अपनी स्कूटी ग्लोबल स्कूल के बाहर खड़ी कर दी। कुछ देर बाद जब वह सब्जी खरीद कर वापस लौटा तो उसकी स्कूटी गायब थी। थाना फेस दो में ग्राम गेझा निवासी संजय ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 24 दिसंबर को उसके घर के बाहर से चोरों ने उसकी बाइक चोरी कर ली। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

घर से निकली किशोरी नहीं लौटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम खेड़ा धर्मपुरा में अपने परिवार के साथ रहने वाली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी घर से कपड़े सिलवाने के लिए गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। किशोरी के पिता ने थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। खेड़ा धर्मपुरा में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी 10 जनवरी को घर से कपड़े सिलवाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

दबंगों ने पिता पुत्र को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के बड़ा बाजार में अपनी दुकान पर जा रहे पिता पुत्र के साथ चार दबंगों ने मारपीट की। युवक को अधमरा करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित के पिता ने थाना दादरी में चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। नई आबादी में रहने वाले वकील ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि रविवार को वह अपने बेटे अनस के साथ बड़ा बाजार में स्थित अपनी दुकान की तरफ जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में आसिफ, युसूफ, कमालुद्दीन, सलमान उर्फ भूरा ने उन्हें रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। उन्होंने गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। वकील के मुताबिक चारों आरोपियों ने मिलकर उसके बेटे अनस को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया। इसके बाद वह पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जलवायु विहार में चोरी करने वाला बदमाश घायल

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-47 के जलवायु विहार में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश की थाना सेक्टर 49 पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। बदमाश के पास से चोरी किए गए चांदी के बर्तन, नगदी और चोरी की बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए बदमाश पर पूर्व में भी कई मुकदमे पंजीकृत हैं। नोएडा जोन के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-49 प्रभारी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मूलचंद अवाना का प्रदेश परिषद सदस्य बनना तय!

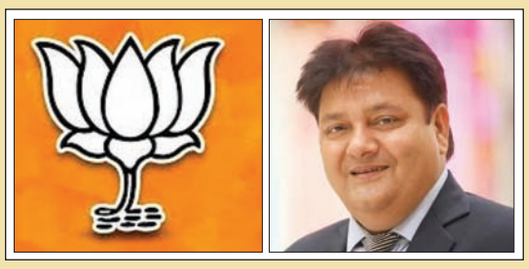

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक चुनाव के तहत महानगर तथा जिला अध्यक्ष की घोषणा का सभी दावेदार तथा कार्यकर्ता बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी के साथ लोगों की निगाहें प्रदेश परिषद सदस्य के परिणाम पर भी टिकी हैं।

नोएडा से दो लोगों ने भाजपा के प्रदेश परिषद सदस्य के लिए औपचारिक दावेदारी की है। जिसमें मूलचंद अवाना तथा सुषमा सिंह के नाम है।

मूलचंद अवाना पार्टी की शर्तों के तहत गौतमबुद्धनगर जनपद में वर्ष 2019 से लेकर 2024 में सक्रिय सदस्यता धारक है। इसके अलावा वे भाजपा के युवा मोर्चा के अध्यक्ष से लेकर उपाध्यक्ष, जिला मंत्री तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तक की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। श्री अवाना पिछले तकरीबन 25 वर्षों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। सरल स्वभाव तथा मृदुभाषी श्री अवाना की पार्टी कार्यकर्ताओं तथा सभी समाज और बिरादरी में उनकी लोकप्रियता तथा स्वीकार्यता किसी से छिपी नहीं है। अधिकांश कार्यकर्ता प्रदेश परिषद सदस्य के लिए मूलचंद अवाना का बनना तय मान रहे हैं।

दूसरी दावेदार है सुषमा सिंह। वे इसके पूर्व उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग में उपाध्यक्ष रहीं है। वर्ष 2019 में उनकी सक्रिय सदस्यता लखनऊ से हुई थी गौतमबुद्धनगर से नहीं। 2024 में वह जनपद गौतम बुद्ध नगर से सक्रिय सदस्य बनी थी। इसके अलावा पूर्व में जनपद गौतमबुद्धनगर में वे पार्टी के किसी भी पद पर नहीं रही। पार्टी की गाइडलाइंस की माने तो दोनों ही मानकों पर सुषमा सिंह खरी नहीं उतर रही है। ऐसे में उनका परिषद सदस्य चुना जाना असंभव प्रतीत हो रहा है।

बता दें कि पूरे प्रदेश में हर जनपद से कम से कम एक परिषद सदस्य चुना जाता है। प्रदेश अध्यक्ष के चयन में वोट डालने का अधिकार परिषद सदस्य को होता है। इसीलिए परिषद सदस्य भी पार्टी के संगठन चुनाव में काफी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी निभाता है।

सीसी रोड बना रहे मजदूरों से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम दादूपुर में सीसी रोड व नाली बना रहे मजदूरों के साथ दो लोगों ने मारपीट की। ठेकेदार ने निर्माण कार्य को रुकवाने तथा मजदूरों के साथ मारपीट करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910

सरस्वती ग्लोबल स्कूल

सेक्टर-22, नोएडा 8750611103

*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस

केवल 10 महीने की मासिक फीस

महिलाओं का वोट

हालिया अध्ययन ने बताया है कि जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाएं लागू हुई हैं, वहां महिलाओं के वोट प्रतिशत में काफी वृद्धि हुई है। यही वजह है कि अब हर चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने की कवायद हर राजनीतिक दल करने लगता है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में इन लोकलुभावन योजनाओं ने सरकारों की सत्ता में फिर वापसी सुनिश्चित की है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास होता है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि महिला केंद्रित योजना लागू करने वाले राज्यों की संख्या 19 हो गई है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, असम व कर्नाटक जैसे राज्य अग्रणी हैं। इन राज्यों में औसतन 7.8 लाख (कुल 1.5 करोड़) महिला वोटरों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, वहां महिला वोटरों की औसत संख्या में कम इजाफा हुआ है। निर्विवाद रूप से विभिन्न चुनावों में लगातार महिला वोटरों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार में उनकी निर्णायक भूमिका साफ नजर आ रही है। शोध अध्ययन बताता है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले वर्ष 2024 में 1.8 करोड़ अधिक महिला वोटरों ने मतदान किया। ये आंकड़ा पिछले दिनों देश के चुनाव आयोग ने जारी किया। दूसरी ओर एसबीआई के शोध ने उन कारणों का विश्लेषण किया जो महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने में सहायक बने। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और मुद्रा खाता खोलने का असर साफ दिखा। साथ ही यह भी निष्कर्ष दिया कि उन राज्यों में महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रकिया में भागीदारी बढ़ी है जहां महिला केंद्रित योजनाएं अस्तित्व में आई हैं। वहीं अध्ययन खुलासा करता है कि महिला साक्षरता में वृद्धि का सीधा संबंध महिला वोटरों की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला वोटरों की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता में वृद्धि से तीस लाख अतिरिक्त महिलाओं ने वोट डाले। इसी तरह जहां पीएम आवास योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी हुई, वहां भी महिला वोटरों की संख्या बढ़ी है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में वोटिंग में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। अतः सरकार बनाने में महिला वोटरों की भूमिका लगातार बढ़ी है। महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के मूल में जिन चार मुख्य योजनाओं की भूमिका है, उनमें मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना व स्वच्छता योजना शामिल हैं। दूसरी ओर बिजली, पानी आदि सुविधाओं में वृद्धि ने भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न राजनीतिक दलों व सरकारों द्वारा महिला मतदाताओं को नकद धनराशि देने की योजनाओं को भी सकारात्मक प्रतिसाद मिला। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला वोटरों की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी, ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि योजनाएं स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली हों।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि पर्वतराज हिमाचल तुरंत घर आए और उन्होंने सब पर्वतों और सरोवरों को बुलाया। हिमवान ने आदर, दान, विनय और बहुत सम्मानपूर्वक सबकी विदाई की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जबहिं संभु कैलासहिं आए। सुर सब निज निज लोक सिधाए॥
जगत मातु पितु संभु भवानी। तेहिं सिंगारु न कहउँ बखानी॥

जब शिवजी कैलास पर्वत पर पहुँचे, तब सब देवता अपने-अपने लोकों को चले गए। (तुलसीदासजी कहते हैं कि) पार्वतीजी और शिवजी जगत के माता-पिता हैं, इसलिए मैं उनके श्रृंगार का वर्णन नहीं करता॥

करहिं बिबिध बिधि भोग बिलासा। गनन्ह समेत बसहिं कैलासा॥
हर गिरिजा बिहार नित नयऊ। एहि बिधि बिपुल काल चलि गयऊ॥

शिव-पार्वती विविध प्रकार के भोग-विलास करते हुए अपने गणों सहित कैलास पर रहने लगे। वे नित्य नए विहार करते थे। इस प्रकार बहुत समय बीत गया॥

जब जनमेउ षटबदन कुमारा। तारकु असुरु समर जेहिं मारा॥
आगम निगम प्रसिद्ध पुराना। षन्मुख जन्मु सकल जग जाना॥

तब छः मुखवाले पुत्र (स्वामिकार्तिक) का जन्म हुआ, जिन्होंने (बड़े होने पर) युद्ध में तारकासुर को मारा। वेद, शास्त्र और पुराणों में स्वामिकार्तिक के जन्म की कथा प्रसिद्ध है और सारा जगत उसे जानता है॥

(क्रमशः..)

ज्ञान चक्षु खोलने में समर्थ है विवेकानंद जी का जीवन

वर्तमान में जिस प्रकार से देश प्रगति कर रहा है, उसी प्रकार से कुछ लोग भारतीयता से दूर भी होते जा रहे हैं। हालांकि इस निमित्त कई संस्थाएं भारतीय संस्कारों को जन जन में प्रवाहित करने के लिए प्रयास कर रही हैं। यही कार्य भारत के संत मनीषियों ने किया था, जिसके चलते संपूर्ण विश्व ने भारतीय दर्शन का साक्षात्कार किया। अमेरिका के शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी ने जिन प्रेरक शब्दों का प्रवाह प्रसारित किया, उससे उस समय विश्व के अनेक आध्यात्मिक मनीषी आप्लावित होते दिखाई दिए। एकाग्रचित्त होकर श्रवण किया गया स्वामी विवेकानंद जी का यह संबोधन एक ऐसे मार्ग का दर्शन कराता है, जो व्यक्ति और राष्ट्र को सकारात्मक बोध कराने वाला था। स्वामी विवेकानंद जी के वे विचार न केवल भारतीय ज्ञान की पताका फहराने वाले थे, बल्कि उस भाव का भी प्रकटीकरण करने में समर्थ थे, जहां भारत के विश्व गुरु होने के प्रमाण प्रस्फुटित होते हैं।

स्वामी विवेकानंद का शिकागो व्याख्यान एक ऐसा दर्शन था, जिसमें भारत के वसुधैव कुटुंबकम का भाव समाहित है। विश्व के किसी भी दर्शन में संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की परंपरा और विचार परिलक्षित नहीं होता, लेकिन भारत की संस्कृति में यह दर्शन पुरातन काल से समाहित है। विश्व के सबसे पुराने प्रामाणिक ग्रंथों में भारत का मूल समाया हुआ है। इसी मूल को स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका की धरती पर फैलाने का सफल प्रयास किया। हम जानते हैं कि अच्छे विचार को जन-जन में प्रवाहित करने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। शिकागो में जाने के लिए स्वामी विवेकानंद जी ने भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि भगवान की कृपा से यह समस्याएं दूर होती चली गई और स्वामी विवेकानंद जी अपने संकल्प को प्रवाहित करने के लिए धर्म सम्मेलन में सम्मिलित अनेक विद्वानों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए थे। विद्वानों के समक्ष जब विवेकानंद जी ने अपने हृदय को खोलते हुए पूरे मन से कहा मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों। इस शब्द ने जिस आत्मीयता का बोध कराया, जिस अपनेपन का एहसास कराया, वह वहां उपस्थित मनीषियों के लिए एक नई बात थी। उन्होंने इस प्रकार की कल्पना भी नहीं की और ना उनके दर्शन में ऐसा था। विवेकानंद की वाणी सबके हृदय को छूने वाली थी, सब सबके हृदय में हर्दियंगम होने वाली थी। इसीलिए प्रारंभिक शब्दों को सुनने के बाद पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो गया। इन तालियों में ही स्वामी विवेकानंद जी को जितना समय दिया गया था, वह समय निकल गया, लेकिन स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को सुनकर वहां उपस्थित प्रबुद्ध वर्ग ने स्वामी विवेकानंद जी को और ज्यादा समय देने को कहा। उसके बाद स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय दर्शन पर आधारित भारतीय संस्कारों से समाहित ऐसा प्रबोधन दिया, जो सबके लिए नया था। यही भारतीय संस्कृति का स्वरूप है। उस समय संपूर्ण विश्व के मनीषियों ने यह स्वीकार किया कि वास्तव में भारत ज्ञान के मामले में विश्व गुरु है।

शिकागो व्याख्यान के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से आप सभी को धन्यवाद देता हूं। सभी जातियों, संप्रदायों के लाखों करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं। अपने व्याख्यान में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं जिस तरह अलग-अलग जगहों से निकली नदियां अलग-अलग रास्तों से होकर आखिरकार समुद्र में मिल जाती हैं। ठीक उसी तरह मनुष्य अपनी इच्छा से अलग-अलग रास्ते चुनता है। यह रास्ते देखने में भले ही अलग-अलग लगते हों, लेकिन यह सब ईश्वर तक ही जाते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि विश्व के सभी धर्मों की एक ही उपयुक्त राह है कि हम ईश्वर की प्राप्ति में लग जाएं।

शिकागो व्याख्यान के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से आप सभी को धन्यवाद देता हूं।

स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता।

हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है।

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद जी की यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्ज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्री रामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों में संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत जागृत, प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए।

शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से भारत का स्वत्व प्रकट होना चाहिए, भारत के संस्कार प्रवाहित होने चाहिए। कहा जाता है कि जिस देश की शिक्षा में वहां के तत्व नहीं हैं तो वह शिक्षा उस देश के स्वत्व को समाप्त करने का मार्ग ही तैयार करेगी। इसलिए भारत को सर्वांगीण विकास करने वाली शिक्षा देने का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है। स्वामीजी का स्वप्न था कि उन्हें 1000 तेजस्वी युवा मिल जाएं तो वह भारत को विश्व शिखर पर पहुंचा सकते हैं। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी, नई पीढ़ी में है। मेरे कार्यकर्ता इनमें से आएंगे और वह सिंहों की भांति समस्याओं का हल निकालेंगे। ऐसे युवाओं में और किसी बात की जरूरत नहीं है। बस केवल प्रेम, सेवा, आत्मविश्वास, धैर्य और राष्ट्र के प्रति असीम श्रद्धा होनी चाहिए।

नारी जागरण पर स्वामी विवेकानंद कहते हैं स्त्रियों की पूजा करके ही सभी राष्ट्र बड़े बने हैं। जिस देश में स्त्रियों की पूजा नहीं होती, वह देश या राष्ट्र कभी बड़ा नहीं बन सका है और भविष्य में कभी बड़ा भी नहीं बन सकेगा। हम देख रहे हैं कि नौ देवियों लक्ष्मी और सरस्वती को मां मानकर पूजने वाले सीता जैसे आदर्श की गाथा घर-घर में गाने वाले यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता को हृदय में बसाने वाले भारत में नारी को यथोचित सम्मान प्राप्त नहीं है। हमारी मानसिकता बदल रही है किंतु उसकी गति बहुत धीमी है, यदि हम देश की तरक्की चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी सोच को बदल कर नारी जागरण और उत्कर्ष पर चिंतन और त्वरित क्रियाशीलता दिखानी भी होगी। ग्रामीण आदिवासी स्त्रियों की वर्तमान दशा में उद्धार करना होगा, आम जनता को जगाना होगा, तभी तो भारत वर्ष का कल्याण होगा।

स्वामी विवेकानंद का शिकागो व्याख्यान भारत के लिए ही नही, बल्कि विश्व के युवाओं के लिए एक ऐसा पाथेय है, जिस पर चलकर जहां व्यक्ति स्वयं को शक्तिशाली बना सकता है, वहीं अपने राष्ट्र को भी मजबूती दे सकता है। स्वामी विवेकानंद जी के आदर्श वाक्यों को आत्मसात करके हम उस दिशा में तीव्र गति से जा सकते हैं, जहां से स्वर्णिम भारत की किरणों का उदय होता है।

- डॉ. वंदना सेन
(लेखिका पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष हैं)

सॉफ्ट हिंदुत्व के साथ विकास का कॉकटेल

हिंदुत्व के रथ पर सवार होकर सत्ता के शीर्ष तक पहुंची भारतीय जनता पार्टी की इस राजनीतिक पैंतरेबाजी को आम आदमी पार्टी (आप) ने भी लपक लिया। दिल्ली विधानसभा में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए आप कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती। आप के नेताओं को लगता है कि हिंदुत्व का इस तरह समर्थन करने से भाजपा के लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों के प्रचार को कमजोर किया जा सकता है, जिसके कारण आप के कई नेता जेल में भुगत कर आए हैं। भाजपा विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, शराब घोटाले सहित अन्य मामलों को प्रचार का मुद्दा बनाए हुए है। दरअसल आप को समझ में आ गया कि इस देश में सिर्फ विकास के कार्यों से ही सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। यही वजह है कि आप ने भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे में सेंध लगा दी। अब भाजपा की मजबूरी यह है कि चाह कर भी इस मुद्दे पर आप का विरोध नहीं कर सकती। भाजपा के सॉफ्ट हिंदुत्व का मुकाबला कांग्रेस नहीं कर सकी। जिसे कांग्रेस भुनाने में नाकामयाब रही, उसे आप ने कर दिखाया। आप ने भाजपा की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट में सेंध लगाई है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप का दावा है कि पूरी दिल्ली के पुजारी हमारा समर्थन कर रहे हैं और हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। इससे पहले आप ने चुनाव जीतने पर पुजारी और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए वेतन देने की घोषणा की थी। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी जो कहती है, वो करती है।

भले हम ऐलान करने में थोड़ी देरी कर दें, लेकिन अगर एक बार ऐलान कर देते हैं तो पीछे नहीं हटते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने जैसे महिला सम्मान और संजीवनी योजना को पुलिस भेजकर रोकने की कोशिश की, वैसे इसको रोकने की कोशिश न करे, पाप लगेगा। दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल की घोषणा की आलोचना करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। भाजपा के रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से इमामों को खुश करने के लिए हर महीने 18000 वेतन देने वाली आप की सरकार को चुनावी मौसम में अब पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों की याद आई है। जब 10 साल तक मौलवियों को वेतन देने की बात कही, तब पुजारी और ग्रंथियों की याद नहीं आई।

गौरतलब यह है कि भाजपा ने केजरीवाल और आप को हिंदुत्व को लेकर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास बेशक किया हो, किन्तु योजना को गलत बताने या चुनाव जीतने पर इसे बंद करने की घोषणा का साहस नहीं दिखा सकी। मुफ्त पानी-बिजली और स्कूल जैसी लोकलुभावन घोषणाओं से आप लगातार दो बार भाजपा और कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात देती रही है। भाजपा ने पहले नरम हिंदुत्व को चुनावी हथियार बनाया और बाद में उसे विकास की तरफ मोड़ दिया। इसके विपरीत आप ने पहले विकास और अब उसके साथ सॉफ्ट हिंदुत्व को जीत का मोहरा बनाया है। भाजपा ने अयोध्या मुद्दे को चुनाव में भुनाने में कसर नहीं छोड़ी। लंबे अर्से तक भाजपा मंदिर मुद्दे पर विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा करती रही। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों को अयोध्या मंदिर के निर्माण और उद्घाटन पर नहीं आने पर हिंदुत्व विरोधी होने का आरोप लगाया। भाजपा ने हिंदुत्व के साथ ही मुस्लिमों के प्रति सद्भाव दिखाने का कई बार प्रयास किया है। यह अलग बात है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं बनाया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की खातिर केंद्र की भाजपा सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम विरोधी होने का दाग धोने का प्रयास जरूर करती रही है। सोशल मीडिया पर देश में प्राचीन मंदिर-मस्जिद विवाद की तल्ख टिप्पणियों की बाढ़ के बावजूद भाजपा ने इससे दूरी बनाए रखी है।

-योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक उत्थान होगा। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य थोड़ा अभी मध्यम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। प्रेम में थोड़ा सा ड्राइनेस दिख रहा है या खराब स्थिति में जा सकता है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
समाज में सराहे जाएंगे। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
ऊर्जा में क्षीणता का अनुभव करेंगे। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापार बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा का योग बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ती होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यापारिक उत्थान होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। बड़ो का साथ होगा। सरकारी तंत्र का साथ होगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। कोई रिस्क नहीं है इस समय। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य में ध्यान दें। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापार सनेह-सनेह बढ़ेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति पहले से बेहतर होगी। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम,संतान की स्थिति बहुत अच्छी है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
भावकुता पर नियंत्रण रखें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं- मैं से बचें। बाकी स्थिति अच्छी है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
गृह कलह से बचें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, साथ का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा होगा। गणेश जी की वंदना करें।

किसान एकता संघ ने किया संगठन का विस्तार

दनकौर(चेतना मंच)। किसान एकता संघ संगठन की पंचायत जगनपुर गांव में अजयपाल आर्य की बैठक पर देशराज नागर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत का संचालन प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने किया।

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी निरंतर गांव-गांव जाकर किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूखंड और 2013 के नए भूमि अधिग्रहण कानून की जानकारी देकर जागरूक कर रहे हैं। साथ ही, सदस्यता अभियान चलाकर किसानों को संगठन से जोड़ा जा रहा है। किसान बड़ी संख्या में संगठन की सदस्यता ले रहे हैं। किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा। किसानों, मजदूरों और युवाओं के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जाएगा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष पप्पे नागर ने बताया कि संगठन का विस्तार करते हुए सुभाष नागर को राष्ट्रीय महासचिव, ऋषिपाल नागर को प्रदेश सचिव, जगत सिंह को जिला उपाध्यक्ष, भोला भड़ाना को प्रदेश सचिव, जयराज सिंह को जिला सचिव, महावीर सिंह को तहसील उपाध्यक्ष, रवि को तहसील सचिव, रमेश को ग्राम अध्यक्ष, भूपेंद्र को ग्राम उपाध्यक्ष, और जगदीश को जिला सलाहकार आदि पदों पर जिम्मेदारी दी गई।

इस अवसर पर सतीश कनारसी, मनीष नागर, देशराज नागर, कृष्ण बैसला, मेहरबान अली, जोरा भाटी, गिर्राज भाटी, अखिलेश प्रधान, दुर्गेश शर्मा, अरुण खटाना, करतार बैसला, जगदीश शर्मा, महाराज सिंह, जगत मैनेजर, सचिन नागर, बलजीत प्रधान, जगपाल हवलदार, तेजी हवलदार, नरवीर नागर आदि सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

आईआईए की मंथन गोष्ठी में डिजिटल धोखाधड़ी पर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए के चैप्टर कार्यालय में मंथन गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें साइबर अपराध पर समर पाल सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक, साइबर सेल ने इंटरनेट, मोबाइल, डिजिटल लेनदेन, डिजिटली बंधक बनाकर, धमकी देकर, सरकारी अधिकारी एवं व्यवस्था का रूप धरकर ठगने, फेसबुक, व्हाट्सऐप पर अवांछित अंजान कॉल्स को उठाने, किसी प्रियजन की ही आवाज जैसी आवाज की नकल करके संवेदनशील बनाकर ठगने, ईमेल पर फिशिंग लिंक भेजने और अन्य तरीकों से होने वाले धोखाधड़ी के मामलों पर विस्तार से समझाया। क्या करना अनुचित है, और इनसे कैसे बचें, इस पर भी गहन चर्चा हुई।

वीर कुमार, एसीपी, कानून व्यवस्था ने सभी को इस पूरे क्षेत्र को सुरक्षित और अपराध मुक्त बनाने का आश्वासन दिया। एसीपी महोदय ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु लगाए जाने वाले वीडियो कैमरों के लिए सहयोग की अपील की।

साइबर अपराध पर हुई विचार-मंथन गोष्ठी की सभी ने बहुत सराहना की। उपस्थित जनों ने वीर कुमार और समर पाल सिंह का हृदय से धन्यवाद किया।

किसे सुनाऊं ?

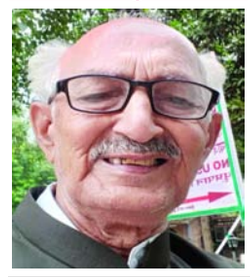

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

किसे सुनाऊं मैं आजादी,
पाने की वहअमर कहानी,
कौन सुनेगा आज हमारी,
जो करते रहते मनमानी।
सिंहासन का सुख पाकर जो,
हिला रहे हैं नींव को,
जिसने भोगा कहर विदेशी क्या
जानें उस जीव को।
गाथा भूल गए सब उनकी,
जो थे स्वतंत्रता के सेनानी,
कौन सुनेगा जिसे सुनाऊं,
उन वीरों की अमर कहानी।
जिसने अपनी आजादी के लिए,
प्राण बलिदान किया,
जिसने खंडित भारत का फिर
से, अखंड निर्माण किया,
नारा दिया देश को जिस नेता ने
था जयहिंद का, खंडित हुई
भुजाएं कैसे? याद न गुरु
गोविंद का,
भूल गई सारी कुर्बानी खून
खराबा है ठानी, किसे सुनाऊं
आजादी को पाने की वह
अमर कहानी।
तोड़ा जंजीरों को जिसने वह
बलिदानी पूत थे,
सच्चे अर्थों में भारत माता के
वही सपूत थे।
मां की खंडित प्रतिमा देख न
जो शर्माए कैसा रक्षक,
कुर्सी पर जो बैठे हैं वे
आज बन गए जैसेभक्षक।
कोई तोड़े मस्जिद कोई मंदिर
तोड़ रहे हैं ,
उस मुंह से फिर कैसे,
भारत माता की जय बोल रहे हैं।
जिसको भक्ति बताते हैं वे ,
मैं कहता उसको मनमानी।
किसे सुनाऊं मैं आजादी को,
पाने की अमर कहानी।

सेक्टर 70 में शौर्य मिस्टीक बैंक्विट का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 70 स्थित वसई गांव में भव्य सुविधाओं से लैस शौर्य मिस्टीक बैंक्विट का उद्घाटन समारोह के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा सहित विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियों ने शिरकत की।

शौर्य मिस्टीक के संस्थापक, पूर्व एमएलसी और भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जितेंद्र यादव ने पुष्प देकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्य केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, गौतमबुद्धनगर के सांसद महेश शर्मा, कारोबारी और पूर्व मंत्री डीपी यादव, दादरी विधायक तेजपाल नागर, वर्षा यादव जिला पंचायत अध्यक्ष, विक्रांत यादव ब्लॉक प्रमुख, गजेंद्र यादव सहित शहर की कई प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया।

बैंक्विट के मैनेजर रमन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इसका निर्माण पूरी तरह से आधुनिक आवश्यकताओं और सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया गया है। यह बैंक्विट 50 से लेकर 1000 लोगों तक की गैदरिंग के लिए उपयुक्त है। इसमें छोटे से बड़े तक कुल चार हॉल हैं, जिन्हें अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। रमन ने बताया कि यहां के शेफ ग्राहकों की पसंद के अनुसार पारंपरिक और आधुनिक व्यंजन तैयार करते हैं।

निकट भविष्य में यहां रूम की सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिससे यह आयोजन स्थल और अधिक सुविधाजनक बन जाएगा। शौर्य मिस्टीक को इवेंट उद्योग में एक नया मानक स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है।

डॉ दिनेश शर्मा का जन्म दिवस धूम धाम से मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-22 स्थित सामाजिक चेतनामंच एवं ब्रह्म समाज एकता समिति के कैम्प कार्यालय पर भाजपा के राज्य सभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा का जन्म दिन मनाया गया। ब्रह्म समाज एकता समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभारी मेरठ जोन पंडित राजेंद्र शर्मा ने केक काट कर जन्मदिन मनाया।

इस अवसर पर पंडित राजेंद्र शर्मा ने कहा कि डॉ दिनेश शर्मा ऐसे लोक प्रिय नेता हैं, जिनके दरवाजे 24 घंटे आम जनता की सेवा के लिए खुले रहते हैद्य हम बड़े सौभाग्यशाली है जो हमारे संगठन को दिनेश शर्मा जैसे व्यक्तित्व का मार्ग दर्शन प्राप्त है। उन्होंने डॉ शर्मा की दीर्घ आयु तथा उन्हे राजनीति में उच्च स्तर पर आसीन करने की कामना की। इस अवसर पर ध्रुव शर्मा, एड रजत शर्मा, कालू शर्मा, हिमांशु शर्मा, अंकित शर्मा, दीपांशु, आकाश चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मकान से समरसेबिल उखाड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम कादलपुर में एक व्यक्ति के निर्माणाधीन मकान से चोर सबमर्सिबल को उखाड़कर मोटर तथा सरिया चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम नौरंगपुर निवासी देवेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका एक प्लॉट कादलपुर गांव में है। वह अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य करा रहा है। निर्माण कार्य के लिए उसने प्लॉट में कुछ दिन पूर्व समरसेबल लगवाया था। 12 जनवरी की तड़के चोरों ने प्लॉट में लगे सबमर्सिबल को उखाड़ कर मोटर तथा 5 कुंटल सरिया चोरी कर ली। उसने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रेमचंद गौतम के निधन पर शोक

भदोही। भाजपा के जिला कार्यालय मे कार्यरत प्रेमचंद गौतम के निधन पर भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने शोक व्यक्त किया है।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि भाजपा परिवार ने आज अपना एक समर्पित सदस्य खो दिया। प्रेमचंद गौतम भाजपा कार्यालय के एक अच्छे और सजग प्रहरी रहे। जिला अध्यक्ष ने भाजपा जिला कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इसके पश्चात, जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में परिवार जनों के साथ रामपुर घाट पर अंतिम संस्कार के लिए उपस्थित हुए।

इस शोक यात्रा में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष पांडेय, पूर्व जिला अध्यक्ष हौसला प्रसाद पाठक, जिला पंचायत सदस्य अनुरुद्ध त्रिपाठी, रामेश्वर उपाध्याय, छत्रपति सिंह, गोवर्धन राय, प्रवीण सिंह, लालमणि मिश्रा, धर्मराज पांडेय, युवा नेता मनीष पांडेय, रत्नेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, आशुतोष पांडेय और अन्य समर्पित भाजपा परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लुटेरे गैंग के पांच बदमाश दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 20 किलो गांजा व बिना नंबर की बलेनो कार बरामद हुई है।

थाना दादरी प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम घोड़ी बछेड़ा गांव के श्मशान घाट के पास वाले मोड पर संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान ग्राम घोड़ी बछेड़ा की तरफ से आ रही एक बिना नंबर की बलेनो कार को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर चालक ने कार भगा दी। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर घेराबंदी के बाद कार को रुकवा लिया। पुलिस टीम ने कार सवार पंकज,विक्की, अंशु चंदीला, विनय कुमार व नितिन को दबोच लिया। कार की डिक्की की तलाशी लेने पर उसमें से 20 किलो गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में अंशुल विनय व नितिन ने बताया कि उन्होंने करीब 10 दिन पहले रामगढ़ अंडरपास के पास शाम के समय बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति से 22200 लूट लिए थे। पकड़े गए गांजे के बारे में उन्होंने बताया कि वह उसे सस्ती दरों पर लाकर महंगी दरों पर बेचते हैं। बदमाशों द्वारा कार के कागजात ना दिखाए जाने पर उसे भी सीज कर दिया गया। पकड़े गए बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

चोरी के फोन से यूपीआई पेमेंट

नोएडा (चेतना मंच)। साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने गई महिला का फोन चोरी हो गया। चोरी किए गए मोबाइल से चोरों ने यूपीआई के माध्यम से 98000 ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित महिला के पति ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना सेक्टर 113 में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले अमित कुमार मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 2 जनवरी की शाम को उसकी पत्नी जोडियक मार्केट में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने के लिए आई थी। इस दौरान किसी व्यक्ति ने उसकी पत्नी का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। उन्होंने चोरी गए मोबाइल के सिम को बंद करा कर नया सिम खरीदा। इसके बाद उनके मोबाइल पर खाते से 98 हजार रुपए ट्रांसफर होने का मैसेज आया। अमित कुमार मिश्रा के मुताबिक चोरों ने उसकी पत्नी के चोरी किए गए मोबाइल फोन से यूपीआई के माध्यम से 98 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने एक गांजा विक्रेता को गिरफ्तार किया है। इसके पास से गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम खेड़ी भनोता कट के पास गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस टीम को ग्राम सैनी सुनपुरा की तरफ से एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह सकपका गया और वापस मुड़कर तेज कदमों से जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे रोक लिया। तलाशी में उसके पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम कबीर पुत्र सतपाल सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर जनपद बुलंदशहर बताया। पकड़े गए कबीर ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा लेकर आता है और नशे के आदी लोगों को इसकी बिक्री करता है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

तमंचे के साथ पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की बाइक तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गस्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि डीएलएफ की तरफ से झुग्गी की ओर जाने वाले रास्ते पर झाड़ियां के पास मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति खड़ा हुआ है। इसके पास अवैध असलाह है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम हनी सिंघवार पुत्र रणधीर सिंह बताया। हनी ने बताया कि उससे बरामद सुपर स्प्लेंडर बाइक चोरी की है। उसने यह बाइक सेक्टर 34 मेट्रो स्टेशन से एक व्यक्ति से ली थी। पुलिस से बचने के लिए वह बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। चोरी की बाइक से वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

चार बदमाश हथियार सहित गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे थे।

थाना बिसरख पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर चार मूर्ति गोलचक्कर की सर्विस रोड से संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को हिरासत में लिया। तलाशी में युवक के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम कुलदीप पुत्र बब्बू निवासी ग्राम नवादा बताया। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने यह तमंचा विजयनगर गाजियाबाद से एक अनजान व्यक्ति से खरीदा था। इसी थाना क्षेत्र की पुलिस ने चार मूर्ति गोल चक्कर के पास से रूपेश पुत्र राजेंद्र को तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

थाना सेक्टर 24 पुलिस ने गस्त के दौरान सेक्टर-22 सार्वजनिक शौचालय के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम राम बहादुर पुत्र नर बहादुर निवासी झुग्गी झोपड़ी सेक्टर 11 बताया। इसी थाना क्षेत्र की पुलिस ने सेक्टर 33 ए गंदे नाले के पास से विशु उर्फ विश्व दास पुत्र कन्हैया निवासी पश्चिम बंगाल को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ पकड़ा गया आरोपी हाल में गिझोड़ गांव में किराए पर रह रहा है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

पृष्ठ एक के शेष....

जेवर एयरपोर्ट के दौरे...

गौतमबुद्धनगर क्षेत्र से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा तथा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता व अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराज्यपाल का अभिनंदन और स्वागत किया।

स्वागत के दौरान नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, भाजपा के महामंत्री उमेश त्यागी, तथा महामंत्री गणेश जाटव, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, भाजपा के उपाध्यक्ष तथा युवा मोर्चा के प्रभारी मनीष शर्मा, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश पहलवान, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल अध्यक्ष शशिधर उपाध्याय, सैनिक विहार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप चौहान, सुंदर सिंह राणा, प्रदीप चौहान, दीन बन्धु, घनश्याम यादव, अनिल पेशवरिया, महेन्द्र कटारिया, आदि भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जलवायु विहार...

एवं उनकी टीम सेक्टर 50 केंद्रीय विहार गोल चक्कर के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे एक युवक को पुलिस द्वारा रुकने का इशारा किया गया। बाइक सवार रुकने के बजाय बाइक को मोड़कर भागने लगा। हड़बड़ी में उसकी बाइक फिसल कर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से बदमाश हो घायल हो गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम संजय पुत्र सरजू निवासी ग्राम कोटिला जनपद प्रतापगढ़ बताया। इसके पास से चोरी की चांदी की एक प्लेट, एक चम्मच, दो कटोरी, दो गिलास,3 हजार रुपए, तमंचा कारतूस बरामद हुए।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में संजय ने स्वीकार किया कि उसने सेक्टर 47 के जलवायु विहार टावर के एक मकान में रात्रि के समय घुसकर कीमती सामान व रुपयों की चोरी की थी। बरामद बाइक के बारे में उसने बताया कि उसने यह बाइक सलारपुर से चोरी की है। पकड़े गए संजय पर करीब 6 मुकदमे पंजीकृत हैं। घायल संजय को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सीसी रोड बना रहे...

ग्राम सलारपुर निवासी संजय शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 जनवरी की सुबह वह ग्राम दादूपुर में प्राइमरी स्कूल से लेकर नहर की ओर सीसी रोड व नाली का निर्माण कार्य करा रहा था। इस दौरान गांव के ही बोलियां व अंकित मौके पर पहुंचे। इन लोगों ने निर्माण कार्य कर रहे मिस्त्री देवेंद्र सिंह के साथ गाली गलौज की। देवेंद्र सिंह ने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने किसी तरह मिस्त्री को दोनों लोगों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

स्कूल और घर के...

ग्राम इलाहाबास में रहने वाले अंबुज कुमार ने थाना फेस 2 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 दिसंबर की रात्रि को उसके घर के बाहर से चोरों ने बाइक चोरी कर ली। उसने अपनी बाइक की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी दुकान से बाइक की चाबी उठाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के सेक्टर 12 स ब्लॉक में रहने वाले नरेश कुमार छाबड़ा ने अपनी स्कूटी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित का कहना है कि चोर उसके घर के बाहर से स्कूटी को चोरी कर ले गए।

दबंगों ने पिता...

पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल अनस को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आबकारी विभाग...

गोपनीय तरीके से परचेज टेस्ट कराया। गोपनीय तरीके से भेजे गए ग्राहक से सेल्समैन ने किंगफिशर स्ट्रॉन्ग कैन बियर पर 10 अधिक ले लिए। आबकारी निरीक्षक अभिनव शाही ने सेल्समैन अनूप कुमार पुत्र नेतराम के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

बता दें कि कि जनपद गौतमबुद्धनगर में शराब व बीयर के ठेकों पर लोगों से प्रिंट रेट से अधिक पैसों की वसूली की शिकायत आम हो गई हैं। शराब के ठेकों के सेल्समेन ग्राहकों से प्रिंट रेट से अधिक पैसे वसूलते हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

एआई रोबोट की 1.5 करोड रुपए कीमत

वाशिंगटन । अमेरिका की टेक कंपनी ने रियल बोटिक्स मादा रोबोट तैयार किया है। इसका नाम आरिया रखा गया है। भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत कंपनी ने 1.5 करोड रुपए रखी है। इस रोबोट की खासियत है, यह बिल्कुल इंसानों की तरह दिखती है। इंसानी शरीर का एहसास कराती है। इंसानों जैसी भावनाएं भी इसमें हैं। यह रोबोट लोगों के अकेलेपन को दूर करने में सक्षम है। यह इंसानों की तरह ही हर तरह से प्रतिक्रिया दे सकती है। इसके चेहरे से हर समय संवेदनशीलता के साथ हाव -भाव बदलते रहते हैं। इस रोबोट को एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने बनाया है। मानवीय संवेदनाओं के साथ यह रोबोट इंसानी जरूरत को पूरा करने में हर तरह से सक्षम है। इस तरह का दावा कंपनी करती है। एक तरह से वर्तमान युग में यह एक मशीनी वफादार साथी के रूप में 24 घंटे आपकी जरूरत को बिना थके पूरा करेगी।

टेकऑफ से पहले प्लेन के इंजन में खराबी

वॉशिंगटन। अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइन का एक प्लेन में टेकऑफ से पहले इंजन में खराबी आ गई, जिसके बाद यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिए बाहर निकला गया। इंजन में खराबी की वजह से उड़ान रद्द करनी पड़ी। इस हादसे में चार लोग घायल भी हुए हैं। प्लेन में 200 से भी ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे का वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पैसेंजर्स इन्फ्लेटेबल स्लाइड से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक पैसेंजर ने बताया कि प्लेन के टेक ऑफ करने से पहले कुछ गड़बड़ हो गई और इंजन में आग लग गई। विमान को खाली करना पड़ा। डेल्टा एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि प्लेन के क्रू ने इंजन में समस्या का पता चलते ही टेक ऑफ को रोक दिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया इस हादसे में 4 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि 3 का मौके पर ही इलाज किया गया।

केमिकल प्लांट में विस्फोट के बाद लगी आग

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर इलाके में रविवार को एक रासायनिक संयंत्र में विस्फोट के बाद आग लग गई। आग की सूचना पर दमकल की करीब दो दर्जन गाड़ियों को मौके पर पहुंची और आग को बुझाने का काम शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि दुजाना रोड पर स्थित ह्यश्री बांके बिहारी केमिकल प्लांट से काले धुएं का घना गुबार आसमान में उठता दिखाई दे रहा है। आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग को तुरंत सूचित किया गया जिसके बाद अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बताया कि रासायनिक संयंत्र में विस्फोट हुआ और उसके बाद आग लग गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बादलपुर थाना क्षेत्र के दुजाना रोड स्थित श्री बांके बिहारी केमिकल प्लांट में आग लगने की सूचना मिली। तत्काल कार्रवाई करते हुए अग्निशमन विभाग की एक टीम को मौके पर भेजा। दो दर्जन से अधिक गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हैं। अभी तक किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

देश के 18 राज्यों में छाया रहा कोहरा, बारिश और ओलों का अलर्ट

▶ दिल्ली में विजिबिलिटी कम होने से 25 ट्रेनें और कई फ्लाइट्स देरी से उड़ीं

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में ठंड का प्रकोप जारी है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी के चलते उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंडी हवाएं चल रही हैं। दिल्ली समेत 18 राज्यों में रविवार को घना कोहरा छाया रहा। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में धुंध का सबसे ज्यादा असर रहा, जहां विजिबिलिटी कम होने से 25 ट्रेनें और कई फ्लाइट्स देर से उड़ान भर सकीं। यूपी के कानपुर, मैनपुरी, फतेहपुर और रायबरेली समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। अयोध्या में दूसरे दिन भी प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां पारा 4 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं मध्य प्रदेश के ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर और शिवपुरी में आंधी और बारिश हुई। राजधानी भोपाल में भी रविवार सुबह हल्की बारिश हुई। राजस्थान के जोधपुर, नागौर, फलौदी और आसपास के इलाकों में कई जगहों पर ओले गिरे। जयपुर, जैसलमेर, अलवर और बीकानेर में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 1 से 11 जनवरी के बीच देश में सामान्य से 91 फीसदी कम बारिश हुई। राज्य में औसतन 20.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन केवल 2 मिमी बारिश हुई। जम्मू-कश्मीर में 2024 पिछले पांच दशकों का सबसे सूखा साल रहा। पिछले साल वहां केवल 870.9 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 29 फीसदी कम है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में अगले 24 घंटों के लिए बारिश और ओलों का अलर्ट जारी किया है। कोहरा और ठंडी हवाएं चलने की संभावना है। देश के 18 राज्यों में घना कोहरा छाया रहा। दिल्ली में 25 ट्रेनें और फ्लाइट्स देर से उड़ान भर सकी।

उत्तराखंड में बर्फबारी ने बढ़ाई ठंड, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने करवट ली है और राज्य भर में ठंड बढ़ गई है। औली, नैनीताल, मसूरी जैसी पर्यटक स्थल बर्फ की चादर से ढक गए हैं। जनवरी में अब तक बारिश और बर्फबारी न होने के कारण सूखी ठंड से लोग परेशान थे, लेकिन ताजा बर्फबारी से पर्वतीय क्षेत्रों में तीव्र ठंड बढ़ गई है। मैदानी इलाकों में भी बारिश और कोहरे के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मसूरी से लेकर औली, चकराता, मुक्तेश्वर, धानाचूली, पहाड़पानी और नैनीताल में बर्फबारी हुई है। बदरीनाथ, केदारनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, औली, गौरसों बुग्याल के साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। जिससे यहां की वादियां बर्फ की सफेद चादर में लिपट गई हैं। जनपद उत्तरकाशी में गंगोत्री धाम, हर्षिल, यमुनोत्री धाम, जानकीचट्टी, सरनौल, दयारा, हरकीदून क्षेत्र में रात्रि से हल्की बर्फबारी हुई है। बर्फबारी से औली, नैनीताल जैसे पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। सर्दियों के मौसम में बर्फ से ढके पहाड़ों का नजारा पर्यटकों को खूब लुभाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी से किसानों की फसलों को लाभ होगा और अगले साल अच्छी फसल होने की उम्मीद है।

प्रयागराज के महाकुंभ के लिए यूपीएसआरटीसी तैयार

योगी सरकार ने 7,000 अतिरिक्त बसें चलाने के दिए निर्देश

एजेंसी

इलाहाबाद । प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने व्यापक यातायात व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने महाकुंभ मेला की सफल संगठनाओं के लिए 7,000 अतिरिक्त बसें चलाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शटल बसें भी चलाई जाएंगी। महाकुंभ के दौरान 7,000 रोडवेज बसों के साथ-साथ 550 शटल बसें भी चलाई जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए 40 इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था भी की गई है। ये 12 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसें एक बार चार्ज होने पर 200 किलोमीटर तक चल सकती हैं और इन्हें प्रयागराज के छह प्रमुख रूटों पर चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने यातायात की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नए और सुरक्षित व्यवस्था की खास योजनाएं बनाई हैं। श्रद्धालुओं को यात्रा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसलिए तैयारी नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग में कोई परेशानी न हो, इसके लिए फास्ट टैग आधारित पार्किंग व्यवस्था लागू की गई है। 5 लाख वाहनों की पार्किंग क्षमता वाले स्थलों पर श्रद्धालु डिजिटल माध्यम से पार्किंग शुल्क चुका सकेंगे और एडवांस बुकिंग और भुगतान के लिए पार्क प्लस एस सेवा भी उपलब्ध होगी। इन सभी उपायों के माध्यम से यूपीएसआरटीसी और यूपी सरकार महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा की सुनिश्चित करने में जुटी हुई है। इस समाचार से प्रदेश नागरिकों का विश्वास और समर्थन प्राप्त है।

मृत्यु के 27 साल बाद गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस

खंडवा । मारपीट के एक मामले में 38 साल पहले जिस व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज हुआ था। न्यायालय से जमानत मिलने के बाद वह न्यायालय में पेश नहीं हुआ। 38 साल पहले न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था। पुलिस उसके घर 38 साल बाद पहुंची। पुलिस को उसके बेटे से जानकारी मिली, आरोपी सदाशिव का निधन 1998 में हो चुका है। 1987 से यह मामला अदालत में चल रहा है। अदालत ने स्थाई वारंट जारी किया था। पुलिस ने 4000 का इनाम भी घोषित किया था। 1998 के बाद खंडवा जिले की मोघट पुलिस गिरफ्तारी वारंट तामील करने के लिए,पुलिस उसके घर नहीं पहुंची थी। न्यायालय में हर महीने पेशी होती रही। न्यायालय से बार-बार वारंट जारी होते रहे।

दिल्ली सीएम ने लोगों से मांगा चुनाव लड़ने चंदा, 40 लाख की है जरुरत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम आतिशी ने विधानसभा चुनावों के लिए क्राउड फंडिंग के जरिए जनता से आर्थिक मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि चुनावी अभियान को चलाने और मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए उन्हें 40 लाख रुपए की जरुरत है। उन्होंने जनता से 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक का योगदान देने की अपील की है। सीएम आतिशी का कहना है कि यह जनता की मदद से संभव हो सकेगा और उनका समर्थन ही चुनावी अभियान की नींव बनेगा।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली की जनता हमारी राजनीति और विचारधारा का समर्थन करेगी। हर छोटा योगदान बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर आप 100 या 1000 रुपए तक भी मदद करते हैं, तो यह हमारे चुनाव अभियान को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता और जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। आतिशी ने इसे जनता के साथ सीधा संवाद और भरोसे का माध्यम बताया। इस अपील से यह साफ होता है कि आतिशी जनभागीदारी पर जोर देते हुए अपने चुनाव अभियान को जनता के समर्थन से मजबूत बनाना चाहती हैं।

बीजेपी संगठन चुनाव को लेकर जिला कार्यालय पर हंगामा, पुलिस फोर्स तैनात

एजेंसी

अंबेडकरनगर। बीजेपी संगठन चुनाव को लेकर जिला कार्यालय पर खूब हंगामा हुआ। कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष और चुनाव अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। हंगामे के चलते गेट बंद कर दिया गया। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। नामांकन करने पहुंचे बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी गेट का ताला तोड़वाकर अंदर घुस गए। बीजेपी ने अंबेडकरनगर संगठन को लेकर मंडल अध्यक्षों की सूची गुरुवार को जारी की थी। सूची जारी होने के बाद आज यारी रविवार को बड़ी संख्या में नाराज बीजेपी कार्यकर्ता जिला कार्यालय पहुंचे। जहां अंदर जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन जमा हो रहे थे। नाराज कार्यकताओं ने कार्यालय के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी और बीजेपी दो गुटों में बंट गई। दोनों तरफ से जिंदाबाद और मुदार्बाद के नारे लगने लगे। हंगामा बढ़ता देख पुलिस बल को बुलाया गया। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। बीजेपी कार्यकताओं ने गेट में ताला जड़ दिया, जिससे जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने आए पूर्व जिला अध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी काफी देर तक बाहर ही खड़े रहे। बाद में उनके समर्थकों ने गेट का ताला तोड़ दिया और उन्हें कार्यालय के अंदर किया।

खनौरी बॉर्डर पर किसान की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर बीते 10 माह से आंदोलन में शामिल एक किसान की रविवार को मौत हो गई। चार दिन पूर्व तबीयत बिगड़ने पर किसान को पटियाला के राजिंद्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक किसान की पहचान जिला फरीदकोट निवासी जग्गा सिंह (80) के रूप में हुई है। इनके पांच बेटे और एक बेटी हैं। राजिंद्र अस्पताल की तरफ से जारी की गई जानकारी के अनुसार 8 जनवरी को सीने में दर्द के चलते जग्गा सिंह को अस्पताल में लाया गया था, जहां रविवार की सुबह उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने शव का पोस्टमार्टम कीकार्रवाई के लिए परिजनों को सूचित कर दिया है।

संगठन सृजन कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के जोश से उम्मीद जाग गई, 2027 में हम सत्ता में होंगे : अविनाश पाण्डेय

हमें संघर्ष के बलबूते 2027 में सड़क से सदन तक का सफर तय कर लेना है : अजय राय

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पांचवे दिन संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ब्रज जोन के जनपद शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत, बदायूं, फरूखार्बाद, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, अलीगढ़, कासगंज, मथुरा, हाथरस जनपद के कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय द्वारा ली गई। बैठक में ब्रज जोन के सह प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, सांसद किशोरी लाल शर्मा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, पूर्व सांसद पी0एल0 पुनिया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना, तथा पूर्व विधायक संजय कपूर, विवेक बंसल भी मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक में आये हुए उक्त जनपदों के कार्यकताओं से प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में उनकी राय मांगी गई जिस पर सभी अपने-अपने सुझाव शीर्ष नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत किये। उपस्थित कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि जिस तरह एक जिलाध्यक्ष/शहर अध्यक्ष पद के लिए इतनी भारी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता इस बैठक में भाग ले रहे हैं वह बता रहा है कि 35 सालों से भी सरकार में नहीं रहने के बावजूद कांग्रेस कार्यकताओं के जोश और प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आई है। एक-एक जिले से 80 से 100 तक भी साथियों ने इस पद हेतु अपनी दावेदारी पेश किया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के इस जोश से उम्मीद जाग गई है कि 2027 में हम फिर से अपने मुकाम पर होंगे।

बैठक में उपस्थित कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने याद दिलाया कि 1977 में जब विभिन्न ताकतों ने कांग्रेस के विरूद्ध बहुत ही खराब माहौल बना दिया था और हम हारे थे। उसके बावजूद विधानसभा चुनाव में आगरा सहित कई जिलों ने कई-कई विधायकों को जिताकर कांग्रेस की नीतियों में विश्वास व्यक्त किया था। मैं चाहता हूं आज एक बार फिर उसी जोश के साथ आरएसएस और भाजपा की जनविरोधी और विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए हमें सड़क से सदन तक सफर हर हालत में तय कर लेना है।

150वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा बांग्लादेश

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश भारत मौसम विभाग के 150वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल नहीं होगा। बांग्लादेशी अधिकारियों ने सरकारी खर्च पर गैर-जरूरी विदेश यात्राओं पर प्रतिबंधों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया है। यह समारोह 15 जनवरी,2025 को होगा। आईएमडी ने कई पड़ोसी देशों को आमंत्रित किया है,जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है। बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) के कार्यवाहक निदेशक मोमिनुल इस्लाम ने पुष्टि की है कि उन्हें आईएमडी से एक महीने पहले निमंत्रण मिला था। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विभाग ने हमें अपनी 150वीं वर्षगांठ समारोह में आमंत्रित किया था। हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं और हम उनके साथ सहयोग जारी रखते हैं। इस्लाम ने आगे बताया कि हम इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं क्योंकि सरकार की ओर से वित्त पोषित गैर-जरूरी विदेश यात्राओं को सीमित करने का दायित्व है।

इस्लाम ने दोनों एजेंसियों के बीच नियमित संपर्क पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वे 20 दिसंबर, 2024 को भारतीय मौसम विज्ञानियों के साथ एक अलग बैठक के लिए भारत गए थे। यह दशार्ता है कि दोनों देशों के बीच मौसम विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग जारी है,भले ही बांग्लादेश इस विशेष समारोह में शामिल नहीं हो रहा है।आईएमडी ने अपने 150वें स्थापना दिवस समारोह के लिए कई पड़ोसी देशों को आमंत्रित किया है। इनमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ-साथ मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के देश भी शामिल हैं।

लॉस एंजिल्स के जंगल में फैली आग, स्कूल बंद, कई कार्यक्रम रद्द

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स के जंगल की लगी आग में अब तक 16 लोगों की जान जाने की पुष्टि हो चुकी है जबकि 12 हजार से ज्यादा इमारतों को नुकसान हुआ है। अमेरिका के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण हालात और खराब होते जा रहे हैं। आग के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े पब्लिक स्कूल डिस्ट्रिक्ट, लॉस एंजिल्स यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने छात्रों और कर्मचारियों को खतरनाक वायु गुणवत्ता से बचाने के लिए स्कूल बंद कर दिए। स्कूल में जोखिम ज्यादा है। वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए इलाका खाली करना पड़ रहा है। पूरा शहर ठप पड़ा है। लॉस एंजिल्स के छह जंगलों की आग अभी भी जल रही है, जिससे करीब 36,000 एकड़ जमीन जलकर राख हो गई। आग ने पैलिसेड्स इलाके में अब तक 21,300 एकड़ से अधिक भूमि को जला दिया है और 5,300 से ज्यादा इमारतों को नुकसान पहुंचाया है। लॉस एंजिल्स के पूर्वी हिस्से में, ईटन कैन्यन और हाईलैंड पार्क में आग लगने से स्कूल और घर प्रभावित हुए हैं। ईटन की आग ने करीब 14 हजार एकड़ भूमि को नष्ट कर दिया है और 5 हजार से ज्यादा इमारतों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस बीच, मनोरंजन उद्योग आग, बिजली कटौती और जहरीली हवा से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

32वें एनएआई पुरस्कार समारोह में चेतना मंच के पत्रकार सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 32वें एनएआई पुरस्कार समारोह में पत्रकारिता, मीडिया और संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान और नवाचारों को सम्मानित किया गया। समारोह में अल्जीरिया के राजदूत डॉ. अली अचू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही एएएफटी विश्वविद्यालय के चांसलर संदीप मारवाह, आईएएस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार और डीपी भल्ला और पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा की भी मौजूदगी रही।

इस समारोह मे सर्वश्रेष्ठ समाचार चैनल एबीपी न्यूज, सर्वश्रेष्ठ संपादक (टीवी समाचार) अमीश देवगन, न्यूज इंडिया 18, सर्वश्रेष्ठ समाचार शो डीएनए जी न्यूज, सर्वश्रेष्ठ पॉडकास्ट शालिनी कपूर तिवारी, सर्वश्रेष्ठ समाचार एंकर (महिला) अपर्णा मोअज्जम, एबीपी न्यूज, सर्वश्रेष्ठ समाचार एंकर (पुरुष) अमन चोपड़ा, न्यूज इंडिया

18, सर्वश्रेष्ठ संपादक (क्षेत्रीय) रमेश चंद्रा जी यूपी/यूके, सर्वश्रेष्ठ पत्रकार (रक्षा और विदेश मामले) सुमित चौधरी, टीवी 9 भारत वर्ष, सर्वश्रेष्ठ पत्रकार (महिला) पूजा यादव भारत 24, सर्वश्रेष्ठ युवा संपादक आशिफ इकबाल प्राइम न्यूज, सर्वश्रेष्ठ संपादक (प्रिंट) जयप्रकाश भारद्वाज दैनिक चेतना मंच, आशीष तिवारी, अमर उजाला (चंडीग? और पंजाब), सर्वश्रेष्ठ पत्रकार (प्रिंट) अनुराग मिश्रा, दैनिक जागरण, सर्वश्रेष्ठ डिजिटल समाचार कार्यक्रम द चबूतरा, सोनल धयान, साहित्यिक, सामाजिक और विशेष पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ लेखक प्रवेश जैन, सर्वश्रेष्ठ समाज सुधारक डॉ. आकांक्षा विद्यार्थी, समाचार वाद-विवाद के लिए सर्वश्रेष्ठ पैनलिस्ट मनीष कुमार गुप्ता, मनोरंजन और रचनात्मक पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ रेडियो जॉकी आरजे पूरब रेड एफएम, सर्वश्रेष्ठ कंटेंट क्रिएटर आरजे आशीष विशेष मान्यता पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. एमए सलीम, डीजी सीआईडी कर्नाटक पुलिस, सर्वश्रेष्ठ लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता सेफवाटर लाइन्स रहे।

इसी कड़ी में श्रीमती उर्मिला देवी को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया, एम.ए. सलीम को उनकी असाधारण सेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ आईपीएस अधिकारी के रूप में मान्यता दी गई, डूक इंटरनेशनल ने यात्रा क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ पर्यटन कंपनी का पुरस्कार जीता, मीडिया के विकास पर परिप्रेक्ष्य, पुरस्कार समारोह ने पत्रकारिता के उभरते परिदृश्य पर विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया। संदीप मारवाह ने अपने संबोधन में पत्रकारिता के प्रिंट-केंद्रित से डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया को शामिल करते हुए एक मल्टी-प्लेटफॉर्म डोमेन में परिवर्तन पर प्रकाश डाला। इस विकास के बावजूद, उन्होंने पत्रकारों की समाज कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. गुरुराज नागथन ने भारत की मीडिया स्वतंत्रता और इसके वैश्विक प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया राजनीति, उद्योग और समाज में अपने प्रभावशाली योगदान से देश को गौरवान्वित करता रहता है।

खास खबर

एमी के एक्शन पर सवाल उठे

राजकोट। आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की बाएं हाथ की ऑफ स्पिनर एमी मैगुइरे पर प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। भारत के खिलाफ यहां खेले गए पहले एकदिवसीय महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एमी के एक्शन पर सवाल उठे थे। एमी ने शुक्रवार को खेले गए पहले मैच में आठ ओवरों में 57 रन देकर तीन विकेट लिए थे हालांकि इसके बाद भी। आयरलैंड यह मैच छह विकेट से हार गया था। मैच अधिकारियों ने आयरलैंड टीम प्रबंधन को जो रिपोर्ट सौंपी है। उसमें एमी के गेंदबाजी एक्शन की वैधता पर संदेह जताय है। एमी ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अभी तक सभी प्रारूपों में 25 विकेट लिए हैं। अब उन्हें अगले 14 दिन के अंदर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मान्यता प्राप्त किसी भी परीक्षण केंद्र में अपने एक्शन की जांच करवानी होगी। जिसके बाद ही पता चलेगा कि उनका गेंदबाजी एक्शन आईसीसी नियमों के अनुसार है या नहीं। आईसीसी नीयमों के अनुसार जांच के परिणाम आने तक स्पिनर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी जारी रखने की अनुमति मिली रहती है।

अंतराष्ट्रीय कराते स्पर्धा के लिए खिलाड़ी चयनित

इंदौर। भारतीय कराते संघ के तत्वाधान में एवं भारतीय ओलंपिक संघ के सानिध्य में एवं गोवा खेल प्राधिकरण द्वारा 17 एवं 18 जनवरी को गोवा के एम पी स्टेडियम में आयोजित होने वाले अंतराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में इंदौर के वो बुनसन स्कूल के १० खिलाड़ी का चयन एलेट स्पोर्ट्स अकादमी एवं मध्यप्रदेश मोइल शोटो कान कराते संघ द्वारा किया गया जिसमें कुमति इवेंट में चयनित खिलाड़ी के नाम इस प्रकार है बालक वर्ग में आनंद बकावले , मनोज भाभर, रचित खोत, नमन बरफा, अरविंद सावनेर, शौर्य चावड़ा , करन साहू एवं अश्विन राठौर शामिल है । वहीं बालिका वर्ग में साक्षी लोधी और प्रीति वर्मा शामिल है । टीम के कोच फिफ्थ डान ब्लैक बेल्ट शीहांन अमय लश्करी होंगे। एवं महिला कोच माही धारू रहेंगी। चयनित खिलाड़ियों को कराते मध्य प्रदेश संघ के महेश कुशवाह ने बधाई दी।

बीसीसीआई पर भड़के ईशान के प्रशंसक

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को जगह नहीं मिलने पर उनके प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। चयनकताओं ने दूसरे विकेटकीपिंग विकल्प के रूप में ध्रुव जुरेल को शामिल किया। जिससे नाराज ईशान के प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली। प्रशंसकों ने कहा कि शानदार रिकार्ड के बाद भी ईशान की जानबूझकर उपेक्षा हो रही है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली थी। इसके बाद से ही वह टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। ईशान के नाम 32 टी20 मैच मेचों में 6 अर्धशतकों के साथ ही 796 रन बना चुके हैं। ईशान को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उन्होंने साल 2023 में घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए बोर्ड के निदेशों का पालन नहीं किया था। उसके बाद ही उन्हें केंद्रीय अनुबंध भी नहीं मिला था और वह टीम में वापसी भी नहीं कर पाये हैं। किशन ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ 134 शतक लगाया था जिससे उनकी टीम 254 रन बनाकर जीती थी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 6 पारियों में 32.20 की औसत और 167.70 के स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। न्यूजीलैंड ने रविवार सुबह 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनर टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। कप्तान के रूप में सेंटनर के लिए यह पहला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट होगा।

15 सदस्यीय टीम में विल ओ'रुर-के, बेन सियर्स और नाथन स्मिथ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शामिल हैं। तीनों अपना पहला सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट खेलेंगे। मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। वरिष्ठ खिलाड़ी केन विलियमसन और टॉम लैथम

टीम को अनुभव प्रदान करेंगे। अन्य बल्लेबाजों में विल यंग, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन और डेरिल मिशेल टीम में शामिल हैं। कीवी टीम ने एशियाई पिचों को ध्यान में रखते हुए स्पिन खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। इसमें कप्तान सेंटनर मुख्य स्पिन विकल्प हैं। साथ ही स्पिन ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र भी मौजूद हैं। न्यूजीलैंड टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने टूर्नामेंट के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट हमारे खेल के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनमें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस समय कई गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं और इससे चयन संबंधी चचाएं निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण रहीं। लेकिन अंततः हमने उस टीम को चुना है जो हमें पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में अपेक्षित परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प प्रदान करेंगे।

न्यूजीलैंड टीमः मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, केन विलियमसन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विल ओ'रुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने का हैं लक्ष्य : अल्काराज

एजेंसी

मेलबर्न । स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने कहा है कि वह आज से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के इरादे से उतरे रहे हैं। अल्काराज का लक्ष्य अधिक से अधिक ग्रैंड स्लैम जीतना है। अल्काराज ने कहा, मेरे लिए सबसे अहम लक्ष्य ग्रैंड स्लैम और मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में जीत हासिल करना है क्योंकि ये दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट हैं। अल्काराज ने अब तक अपने करियर में चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। है। ये खिताब दिग्गज खिलाड़ियों ब्रिटेन के एंडी मरे और स्विटजरलैंड के स्टेन वावरिंका ने भी जीते थे।

वहीं साल 2024 में, अलकाराज और जैनिक सिनर ने दो-दो मुख्य खिताब जीते थी। इस टूर्नामेंट में भी उन्हें सिनर से मुकाबला करना है। अलकाराज ने कहा कि

जैनिक के खिलाफ खेलते समय उनकी मानसिकता बदल जाती है। उन्होंने कहा, जब मैं जैनिक का सामना करता हूं, तो अपनी पूरी ताकत से उतरता हूं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उसे हराने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में अलकाराज की नजरें अलेक्जेंडर शेवचेंको पर जीत दर्ज करना रहेंगी। अल्कराज इस टूर्नामेंट में अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ आये हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय बांग्लादेश टीम का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने 19 फरवरी से शुरू हो रही आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में प्रमुख अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को शामिल नहीं किया गया है। उनके अलावा खराब फार्म से जूझ रहे लिटन दास को भी स्क्वाड से बाहर कर दिया गया है।

वरिष्ठ खिलाड़ियों में विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम और

ऑलराउंडर महमूदुल्लाह जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। सात टी20 मैच खेल चुके परवेज हुसैन को अपना वनडे डेब्यू करने का मौका मिला है। तेज रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले नाहिद राणा पर भी विश्वास जताया है। मेंहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन बांग्लादेश के दो प्रमुख स्पिनर होंगे। इनके अलावा तेज गेंदबाजी में मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद भी दल का हिस्सा हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश स्क्वाड : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदोय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, जाकिर अली, मेंहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन, नसीम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

तमीम इकबाल ने संन्यास लेने के बाद की भावुक पोस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल ने कहा है कि कप्तान नजमुल हसन और चयन समिति ने उन्हें टीम में वापस बुलाया था लेकिन उन्होंने अपने दिल की सुनी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इकबाल ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर अपने शानदार करियर पर विराम लगाया। 16 साल से ज्यादा लंबे करियर में बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कई प्रारूपों में 387 मैच खेले। जिसमें उन्होंने 15,192 रन बनाए। तमीम बांग्लादेश के इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित और मशहूर क्रिकेटरों में से एक हैं।

तमीम इकबाल ने पोस्ट में लिखा-

कप्तान नजमुल हुसैन ने मुझे टीम में वापसी के लिए कहा था। चयन समिति के साथ भी बातचीत हुई थी। टीम में उन्हें शामिल करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालांकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है। तमीम के करियर की शुरूआत 2007 में हुई। इसके बाद उन्होंने टीम में बतौर ओपनर अपनी जगह पक्की की। पिछले कुछ सालों में उन्होंने शीर्ष क्रम में निरंतरता बनाए रखी और अपने देश के लिए कई ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका भी निभाई।

टेस्ट क्रिकेट में तमीम ने 70 टेस्ट मैचों में 38.89 की औसत से 5134 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमणों के खिलाफ उनके आक्रामक स्ट्रोक प्ले ने उन्हें सबसे अलग बना दिया। बांग्लादेश की ओर से तमीम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद संन्यास लेना चाहते थे रोहित शर्मा

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टी के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबर्न टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करने वाले थे पर अचानक ही उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। रोहित का प्रदर्शन इस दौरे में अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में कोच गौतम गंभीर चाहते थे कि वह संन्यास ले लें पर जब उन्होंने अपना फैसला बदला तो गंभीर नाराज हो गये। माना जा रहा है कि कि रोहित मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के बाद खेल से संन्यास ले रहे थे पर अपने चाहनेवालों की सलाह से उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। रोहित के संन्यास के फैसले को टालने से गंभीर खुश नहीं थे। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-3 से

हारी है। सीरीज का समापन होते-होते दोनो के संबंध इतने खराब हो गये थे कि वे एकदूसरे के साथ बैठते नहीं दिखे। रोहित ने सिडनी टेस्ट मैच से स्वयं ही अपना नाम वापस ले लिया था। उस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया की कप्तानी की थी। तब रोहित का कहना था कि वह फार्म में नहीं थे इसलिए वो चाहते थे कि जो बल्लेबाज रन बना रहे हैं उन्हें अवसर मिले। भारतीय टीम को सिडनी टेस्ट में 3 दिन में ही हार को सामना करना पड़ा था।

जिम्बाब्वे ने बनाया टी20 का सबसे बड़ा स्कोर

नई दिल्ली। क्रिकेट में चौकों-छक्के लगना आम है और स्टेडियम में मौजूद लोग भी यही चाहते हैं, अगर किसी 20 ओवर के मैच में 57 बाउंड्री लग जाएं तो यह कमाल ही है। ऐसा कमाल हुआ भी है जब जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने टी20 मैच में 27 छक्के और 30 चौके लगाए। जिम्बाब्वे ने कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए और उसने 4 विकेट पर 344 रन बनाए थे, जो टी20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे बड़े स्कोर का विश्व रिकॉर्ड है। यह कारनामा जिम्बाब्वे ने केन्या की राजधानी नैरोबी में पिछले साल 23 अक्टूबर को किया था और इसका शिकार बना था गाम्बिया। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर के इस मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी की।

भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को दिया जन्म

एजेंसी

मेलबर्न । पिछले पांच सालों में भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को जन्म दिया है, जिससे टीम में नेतृत्व को लेकर असमंजस बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय क्रिकेट टीम को एक सेनापति के बजाय कई सेनापति अपनी-अपनी दिशा में सेना को चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस संकट का असर अब आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में देखने को मिल सकता है, जहां भारतीय टीम संभावित रूप से सात कप्तानों के साथ मैदान में उतरेगी। टीम इंडिया के नियमित कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और संभावित तौर पर केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भी दुबई जाने वाली टीम में शामिल होंगे। ये सभी

खिलाड़ी किसी न किसी समय भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब एक टीम में इतने कप्तान हों, तो क्या सभी एक पेज पर आ पाएंगे? भारतीय क्रिकेट में कप्तानी को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में चार कप्तान थे, जिनमें से दो ने अलग-अलग मौकों पर टीम का नेतृत्व किया। खबरें यहां तक थीं कि एक और खिलाड़ी कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखता था। अब चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में सात कप्तानों की मौजूदगी टीम के लिए रणनीतिक और सामंजस्य का बड़ा चैलेंज बन सकती है। 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उस वक्त टीम में सिर्फ एक ही लीडर था, जिसने खिलाड़ियों को एक दिशा में संगठित रखा। इसके बाद से खिलाड़ियों की फिटनेस और क्रिकेट कैलेंडर की व्यस्तता के कारण कप्तानों में बदलाव बढ़ा, जिससे टीम में नेतृत्व की स्थिरता कम हो गई। रोहित शर्मा, जो 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीत का हिस्सा थे, टीम को एकजुट रखने की क्षमता रखते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे बाकी कप्तानों के साथ तालमेल बिठाकर इस चुनौती को पार कर पाएंगे? जितने सिर, उतने दिमाग वाली स्थिति में खिलाड़ियों का नेतृत्व करना रोहित के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस को 2025 की शुरूआत में खराब प्रदर्शन के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से वापसी की उम्मीद है। लेकिन कप्तानों की इस फौज के बीच यदि हर कोई अपनी-अपनी शैली में नेतृत्व करने की कोशिश करेगा, तो टीम के लिए यह टूर्नामेंट एक और खाली हाथ वापसी का कारण बन सकता है।

बुमराह हो सकते हैं चैंपियंस ट्रॉफी के शुरूआती मैचों से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। बुमराह के अगले माह 19 फरवरी से होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के शुरूआती मैचों से बाहर होने की संभावना है। इससे भारतीय टीम को झटका लग सकता है। बुमराह ग्रुप स्तर के मैचों से बाहर हो सकते हैं। पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट के दौरान उनकी पीठ में ऐंठन आ गयी थी जिससे वह अभी तक नहीं उबरे हैं। आज तक की जानकारी के अनुसान बुमराह की पीठ में सूजन है और उन्हें बेंगलुरु के

नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में पहुंचने को कहा गया है। इसमें उनके रिहैब का ध्यान रखा जाएगा। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। अब चयनकर्ता इस बात को लेकर विचार कर रहे हैं कि बुमराह को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया जाए या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा जाए। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईसीसी को एक अस्थायी टीम की सूची देगा। चयनकताओं के पास अभी बुमराह की फिटनेस पर नजर रखने का समय है। इस तेज गेंदबाज की शुरूआती रिपोर्ट में उन्हें फ्रैक्चर नहीं है पर उनकी पीठ में सूजन है। एनसीएक में रिकवरी के बाद वह एक या दो अभ्यास मैच खेलेंगे। इससे पता चलेगा कि वह कितने फिट हैं।

शमी की वापसी से प्रशंसकों में खुशी की लहर

- इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलेंगे

एजेंसी

अमरोहा। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक साल बाद भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। शमी को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इससे उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी जाहिर की है। शमी के पैतृक गांव सहसपुर अलीनगर में लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। शमी 2023 दिसंबर में हुए

एकदिवसीय विश्कप के बाद से ही चोटिल होने के कारण बाहर थे। वहीं लंबे समय बाद अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रशंसकों को उम्मीद है कि जिस तरह का प्रदर्शन शमी ने विश्व कप में किया था, वैसा ही प्रदर्शन वह इंग्लैंड के खिलाफ भी करेंगे। उनके एक प्रशंसक ने कहा, विश्व कप की तरह शमी एक बार फिर अपने आप को साबित करने में सफल होंगे और शानदार प्रदर्शन कर देश और शहर का सम्मान बढ़ाएंगे। हाल ही में शमी ने घरेलू क्रिके में अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस साबित की थी। इस तेज गेंदबाज ने रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेला था। हालांकि, घुटने में सूजन के कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं खेल पाये थे।

ऋषभ फिर टी20 टीम में जगह नहीं बना पाये

- जुरैल और सैमसन की हुई वापसी

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ जो 15 सदस्यीय टी20 टीम की घोषणा की हैं। उसमें एक बार फिर ऋषभ पंत जगह नहीं बना पाये हैं। युवा ध्रुव जुरेल को जगह मिली है। ऋषभ ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्री मैच पिछले साल श्रीलंका दौरे पर खेला था। वहीं युवा ध्रुव जुरेल को 15 सदस्यीय टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। जुरेल ने जिम्बाब्वे दौरे के दौरान भारत की ओर से 2 टी20 मैच खेले थे.टीम में पहले विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन की एक

बार फिर वापसी हुई है।

इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को भी एक बार फिर इसमें जगह मिली है। अब इन तीनों के पास भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की करने का अवसर है। ये तीनों हाल के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भी भारतीय टीम में शामिल थे। वहीं शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को आराम मिला है। अब इन खिलाड़ियों के पास तरोताजा होने का समय है। इन खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिलने की संभावना है। एक साल बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी भी रही। अब इस सीरीज से पता चलेगा कि उनकी फिटनेस कैसी है। शमी 2023 के एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही खेल से दूर थे। शमी की करीब 14 महीने बाद भारतीय टीम में वापसी हुई हैं। शमी ने एकदिवसीय विश्वकप 2023 के बाद सर्जरी कराई थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रहे ऑलराउंडर रमनदीप सिंह, विकेटकीपर जितेश शर्मा, विजयकुमार वैशाक, यश दयाल और आवेश खान को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए जगह नहीं मिली है।

भारतीय पिचें स्पिन के लिए अनुकुल मानी जाती हैं। इसे देखते हुए ही टी20 सीरीज के लिए चार स्पिनरों अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। अक्षर को उपकप्तान की भी अहम जिम्मेदारी मिली है।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में जेंग क्वींवेन अंक हासिल करने पर उत्साहित होती हुई।

शनिवार को आजमाकर देखें ये टोटके, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

भगवान शिव ने नवग्रहों में शनिदेव को न्यायाधीश का दर्जा दिया है। वे सभी धरती वालों के अच्छे-बुरे कर्मों के हिसाब से उन्हें परिणाम देते हैं। जब कुंडली में शनि संबंधित अशुभता आ जाए तो जीवन में बहुत सारी प्रॉब्लम को फेस करना पड़ता है। पुराणों के अनुसार यदि शनिवार के दिन कुछ उपाय कर लिए जाएं तो सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे और बहुत सारी अनचाही समस्याओं से बचा जा सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं और इस मंत्र का जाप करें- 'ऊं शं शनैश्चराय नमः'। फिर पीपल को छूकर प्रणाम करने के बाद सात परिक्रमा करें। शनिवार को एक बार ही भोजन करें और 7 बार शनि मंत्र दोहराएं। कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है तो किसी हनुमान मंदिर जाएं और अपने साथ एक नींबू और 4 लौंग रख लें। इसके बाद मंदिर में पहुंचकर नींबू के ऊपर चारों लौंग लगा दें। फिर हनुमान जी के सामने बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके बाद हनुमान जी से सफलता दिलवाने की प्रार्थना करें और नींबू लेकर कार्य प्रारंभ कर दें। इससे आपके कार्य में सफलता की संभावना बढ़ जाएगी।

हनुमान चालीसा नियम से पढ़ना शुरू कर दें। प्रतिदिन संध्यावंदन के साथ हनुमान चालीसा पढ़नी चाहिए। संध्यावंदन घर में या मंदिर में की जाती है। पवित्र भावना और शांतिपूर्वक हनुमान चालीसा पढ़ने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है, जो हमें हर तरह की जानी-अनजानी होनी-अनहोनी से बचाती है। हनुमान चालीसा पढ़ने के बाद हनुमान जी की कपूर से आरती करें।

शनिवार की सायं हनुमान जी के मंदिर में एक नारियल और लाल रंग का प्रसाद चढ़ाएं। नारियल आधा तुड़वाकर मंदिर में बांट आएं, आधा खा लें।

शनिवार को शनिदेव के मंदिर में जाने से पहले हनुमान जी के मंदिर जाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

शनिवार को सूर्यास्त के बाद पीपल के पेड़ के नीचे चौमुखा दीपक जलाएं, इससे कभी भी धन, वैभव और यश में कमी नहीं आती।

शनिवार को घोड़े की नाल मिल जाए तो उसे शुभ माना जाता है। शनिवार को यदि नाल मिल जाए तो उसे एकदम घर में न लाएं। रात भर के लिए उसे बाहर ही रखें। दूसरे दिन, सुनार के द्वारा उस नाल के बीच के टुकड़े और थोड़े से ताम्बे को मिला कर एक अंगूठी बनवा लें और उस पर 'शिवमस्तु' अक्षर खुदवा लें। दूसरे शनिवार को, सूर्यास्त के बाद उस अंगूठी की पूजा कर, उसे धूप दीप दिखाएं और उसे अनामिका में पहनें। इस नाल का पाया जाना उस व्यक्ति पर शनि महाराज की पूर्ण कृपा हुई है, ऐसा माना जाता है। लेकिन ऊपर बताई विधि पूरी न करने पर विशेष लाभ नहीं होता। भाग्यशाली पाठक को यदि शनिवार को नाल मिल जाए तो ऊपर बताई विधि करें।

घर बदलने की मुश्किल को बनाएं आसान

किराये के घर में रहना यानी बार-बार घर बदलने का झंझट। यह काम अधिकांश लोगों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं होता। इस मुश्किल काम को कैसे बनाएं थोड़ा आसान

घर शिफ्ट करना ज्यादातर परिवारों के लिए सूनामी सरीखा होता है। बसे-बसाए घर को छोड़कर नए घर में जानां जदगी में तूफान तो ले ही आता है। इस तूफान को बढ़ाने का काम करता है पैंकग और फिर अनपैंकग की मशक्कत। मतलब, पहले सजे-सजाए घर को समेटो, फिर दूसरी जगह सजाना शुरू करो। फिर इस प्रक्रिया में हफ्तों तक फंसे रहो। मगर यकीन मानिए , थोड़ी-सी समझदारी घर बदलने की पूरी प्रक्रिया को तूफान नहीं, बल्कि जिंदगी के सहज कामों में से एक में तब्दील कर देगी। आप बहुत आसानी से शिंफ्टग के मुश्किल भरे दौर से निकल आएंगी। खास बात यह भी है कि ऐसा करने के लिए आपको कुछ बहुत बड़ा कमाल नहीं करना है, बल्कि सिर्फ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना है।

डिब्बे बनाएंगे मुश्किल आसान

जब आप नए घर में जाएंगी तो कौन-सा डिब्बा कहां रखेंगी। सारे डिब्बे हॉल में रख कर धीरे-धीरे सारे कमरे सजाएंगी या फिर किसी भी सामान से भरा डिब्बा किसी भी कमरे में रख देंगी कि बाद में देखा जाएगा। अगर आप ऐसा करेंगी तो निश्चित ही मुश्किल में पड़ जाएंगी। सामान और फैलेगा। आपका समय खराब होगा वो अलग। अच्छी बात ये है कि इस काम में पैंकग वाले डिब्बे ही आपकी मदद कर सकते हैं। बस, आपको इन पर सामान के बारे में लिखना होगा, मतलब बर्तन के डिब्बे पर 'बर्तन' लिख दीजिए। पर सिर्फ इतने से काम आसान नहीं होगा। आपको साथ में ये भी लिखना होगा कि वो सामान किस कमरे में रखा जाना है। मतलब बर्तन के साथ उस डिब्बे के ऊपर 'रसोई' भी लिख दीजिए। इस तरह हर डिब्बा सीधे उसी कमरे में रखा जाएगा, जहां उसके अंदर रखे सामान को रखा जाना है। याद रखिए,आपको डिब्बे के ऊपर नहीं, बल्कि साइड में लिखना है। इस तरह शिफ्टिंग के वक्त उसे पढ़ना भी आसान हो जाएगा, क्योंकि कई दफा डिब्बे एक के ऊपर एक रख दिए जाते हैं और उस वक्त डिब्बे के ऊपर लिखा नजर नहीं आता है। डिब्बे के साइड में लिखने से ये दिक्कत नहीं होगी।

रंग भी करेंगे मदद

कई बार डिब्बों पर बार-बार लिखना थोड़ा परेशानी भरा काम भी साबित हो सकता है। हो सकता है कि डिब्बे के ऊपर जल्दबाजी में लिखी गई चीज बाद में पढ़ने में न आए या फिर पानी वगैरह गिरने से लिखावट बिगड़ जाए। ऐसे में जरूरत है, इस समस्या का हल तलाशने की। हल आसान भी है। आपको हर कमरे के हिसाब से एक रंग चुन लेना है और उस कमरे में रखे जाने वाले हर डिब्बे पर बस वही रंग करते जाना है। रंग दूर से ही दिख भी जाता है, इसलिए पढ़ने के मुकाबले समझना ज्यादा आसान भी होता है।

सफाई हो पहले से

जिस भी दिन नए घर में शिफ्ट होना हो, उसके दो दिन पहले नए घर की सफाई जरूर करवा लें। इस तरह सामान पहुंचते ही सेट भी किया जा सकेगा। अगर पूरा घर साफ कराने में दिक्कत हो तो बाथरूम और रसोई की सफाई पहले से करा लेने के बहुत सारे फायदे तो होते ही हैं। जैसे आप सारा सामान लेकर जब नए घर पहुंचेंगी तो हो सकता है कि थकावट मिटाने के लिए चाय बनानी हो या फिर आप काम निपटा कर नहाना चाहें, तो आपको इसमें कोई दिक्कत न आए।

अलमारी के लिए आजमाएं यह ट्रिक

अलमारी को दूसरे घर ले जाने की बारी आती है तो काम काफी बढ़ जाता है। पहले इसके अंदर रखे सामान की पैकिंग और उसके बाद अलमारी की पैकिंग। इस पूरी प्रक्रिया में लगने वाले पूरे समय को आप थोड़ा बचा सकती हैं। इसके लिए आपको करना ये है कि अलमारी में लटके कपड़ों को हैंगर में ही रहने दीजिए। अब इन सारे हैंगर को एक डोरी से कसकर बांध दीजिए और फिर कपड़ों के नीचे से हैंगर तक एक बड़ी पॉलीथिन या फिर शर्ॉपग बैग चढ़ा दीजिए।

कपड़ों को ही शर्ॉपग बैग में रख लिया है। ऐसा करने का फायदा ये होगा कि पहले तो आपको कपड़े अलग पैक नहीं करने पड़ेंगे। फिर जब नए घर में अनपैंकग का समय आएगा तो आपको कपड़े फिर से तह लगा कर हैंगर में लटकाने और अलमारी तक लाने के समय से छुटकारा मिल जाएगा। अलमारी खड़ी करके पॉलीथिन और डोरी हटाने से काम चल जाएगा।

तार कैसे जुड़े थे?

कई दफा ऐसा होता है कि कोई इलेक्ट्रॉनिक आइटम किसी खास तरह से ही बिजली से कनेक्ट होता है या फिर उसे सेट करने का भी अपना एक तरीका होता है। अब नए घर में जाकर उस डिवाइस को वैसे ही सेट करने का एक अच्छा तरीका है कि अपने पुराने घर पर उसकी सैंटग की फोटो खींच लीजिए। नए घर में परेशानी नहीं होगी।

जरूरत पर दिखे आर-पार

चूंकि आप घर बदल रही हैं, इसलिए आप जब नए घर पहुंचेंगी तो ढेर सारे कार्डबोर्ड बॉक्स होंगे। इन्हीं के बीच आपके पास एक ऐसा डिब्बा भी होना जरूरी है, जिसके आर-पार आपको सब कुछ आसानी से दिख सके। इस बॉक्स में वो सारा सामान होगा, जो आपको अनपैंकग के समय काम आएगा या फिर अनपैंकग के समय आपकी अपनी जरूरत भी पूरी करेगा, जैसे कैंची, टेप, मोबाइल चार्जर, बिजली के बोर्ड, पेंचकस या प्लास जैसे टूल्स आदि। इस डिब्बे के पारदर्शी होने के चलते अस्त-व्यस्त घर में बैठे हुए भी आपका काम रुकेगा नहीं। आप बाहर से ही देख लेंगी कि जरूरत का वो सामान उसमें है या नहीं।

जरूरत नहीं तो बेच दीजिए

घर कितना भी बड़ा हो और आपके पास कितने भी पैसे हों, पर घर में ऐसी कई चीजें होती हैं, जो हमारे किसी काम की नहीं होतीं। पर किसी न किसी वजह से ऐसे सामान हर घर में पड़े रहते हैं। अगर ऐसा आपके साथ भी है तो इन्हें नए घर में जाने के पहले बेचने की तैयारी कर लीजिए। इस काम में दिक्कत इसलिए भी नहीं है कि

अब ऑनलाइन सेलिंग

एक बहुत ही आसान तरीका बन चुका है। घर बैठे आप अपना सामान आसानी से बेच सकती हैं। अगर आप चाहें तो किसी जरूरतमंद को भी ये सामान दे सकती हैं।

जरूरी बातें

किसी भी तरह के लिक्विड आइटम के डिब्बे पर ढक्कन लगाने से पहले उस पर प्लास्टिक कवर लगा दें। इसके बाद ही ढक्कन को बंद करें। इससे लीक होने की आशंका पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। चीजों की पैकिंग करते हुए अगर टेप सूख गया है तो उसे कुछ सेकंड के लिए माइक्रोवेव में गर्म कर दीजिए। टेप फिर से काम करने लगेगा। अगर कुछ सूटकेस खाली हों तो भारी सामान को उनमें रख लीजिए। उठाकर ले जाना आसान हो जाएगा। कम से कम एक रात गुजारने भर का सामान एक अलग बैग में जरूर रखें। अगर नए घर में पहुंचते ही तुरंत सामान सेट कर पाना संभव नहीं हुआ तो भी वहां आपकी पहली रात आसानी से बीत जाएगी।

नए घर में जाने से पहले इसका पता अपडेट करने की तैयारी जरूर शुरू कर दें, ताकि आपके पते से जुड़े बहुत जरूरी कामों में दिक्कत न आए।

शिफ्टिंग से कम-से-कम एक दिन पहले फ्रिज को डीफ्रॉस्ट जरूर कर दें। फर्नीचर के नीचे की तरफ तौलिया बांध दें, ताकि फर्नीचर की रगड़ से फर्श खराब न हो। बबल रैप करने की जगह महंगी क्रॉकरी को मोटे कपड़ों के बीच में रखें। कांच के कीमती गिलास व कटोरियों को शिफ्टिंग के दौरान सुरक्षित रखने के लिए उन्हें साफ जुराबों में बांधकर भी रखा जा सकता है। हर बॉक्स पर एक नंबर लिखती जाएं, ताकि उन्हें गिनने में आसानी हो और कोई सामान छूटे नहीं।

मां बनने वाली हैं। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि आप फैशनेबल दिखना बंद कर दें। गर्भावस्था में भी फैशनेबल दिखने का अलग ही मजा है।

गर्भावस्था के दौरान भी दिखें स्टाइलिश

आपकी मां-दादी और नानी को बखूबी याद होगा कि जब वे मां बनने वाली थीं, तो कैसे उन्हें बढ़ते वजन के साथ अपने उन्हीं पुराने कपड़ों में फिट रहने की जद्दोजहद करनी पड़ती थी। दरअसल, उस दौर में गर्भावस्था का मतलब सिर्फ पौष्टिक खानपान और थोड़ा-बहुत घर का कामकाज होता था। मां बनने जा रही महिला के लिए आरामदायक कपड़ों की तरफ किसी का ध्यान ही नहीं जाता था। लेकिन अब सूरत बिल्कुल बदल चुकी है। मौजूदा दौर में प्रेग्नेंसी के दौरान नवें महीने तक महिलाएं दफ्तर जाती हैं, घर का सारा कामकाज तक खुद करती हैं, घर और बाहर के समारोह में भी जाती हैं। उनके लिए यह बहुत जरूरी होता है कि वे गर्भावस्था में भी आकर्षक और स्टाइलिश लगें। अच्छी बात यह है कि बाजार में अब गर्भवती महिलाओं को ध्यान में रखते हुए बेहद आरामदायक, आकर्षक और ट्रेंडी कपड़े आसानी से उपलब्ध हैं। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि फैशन के नाम पर आज बाजार में मिलने वाली कोई भी ड्रेस आप पहन लें। प्रेग्नेंसी के दौरान बढ़ते वजन और हार्मोन्स के उतार-चढ़ाव की वजह से महिलाएं अकसर असहज महसूस करती हैं, इसलिए इस अवस्था के दौरान पहने जाने वाले कपड़े खरीदते समय फैब्रिक, कट्स, स्टाइल और रंग जैसी बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

मौसम के हिसाब से चुनें फैब्रिक

गर्भावस्था के दौरान कपड़ों के लिए फैब्रिक का खासतौर से ध्यान रखना चाहिये। मौसम चाहे गर्मी का हो या सर्दी का, फैब्रिक हमेशा ऐसा चुनें, जो त्वचा पर आरामदायक हो और जिससे त्वचा खुलकर सांस ले पाये। मसलन, गर्मियों में कॉटन या लिनेन से बनी प्रेग्नेंसी ड्रेस सबसे अच्छी रहती हैं। दूसरी तरफ ठंडे मौसम में मुलायम ऊनी और ब्लैंडेड फैब्रिक से बने कपड़ों में आप ज्यादा आरामदायक और सहज महसूस करेंगी। एक और बात भी ध्यान में रखें, आप जो फैब्रिक पहन रही हैं वह थोड़ा स्ट्रेचेबल भी हो। जैसे कि सिंगल जर्सी, लाइक्रा और स्पेंडेक्स से बने कपड़े पहनने में आरामदायक तो होते ही हैं, साथ ही आपके शरीर के आकार के हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं, जिससे आप देखने में ज्यादा फिट और आकर्षक लगेंगी। आकर्षक दिखने के चक्कर में खासतौर से प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ ऐसा नहीं पहनें, जिसे पहनकर आप असहज महसूस करें।

कट्स पर जरूर दें ध्यान

इस अवस्था में जरूरत से ज्यादा कसे हुए या बेहद चुस्त कपड़े नहीं पहनें, क्योंकि इससे आपको घबराहट हो सकती है और ये देखने में भी अटपटे से लगते हैं। इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप अपने स्टाइल से समझौता कर लें। खुली बाजुओं वाली ए लाइन व एम्पायर कट वाली ड्रेसेज गर्भवती महिलाओं पर बहुत आकर्षक लगती हैं, क्योंकि इसमें शरीर का बढ़ता आकार भी आसानी से छिप जाता है, साथ ही वे इसमें बेहद सहज महसूस करती हैं।

इलास्टिक वेस्ट बैंड से मिलेगा आराम

प्रेग्नेंसी के दौरान साड़ी, सलवार और जींस पहनने में भी काफी दिक्कत होती है और कई मामलों में तो डॉक्टर भी इस तरह के परिधानों से परहेज की सलाह देते हैं। लेकिन अब बाजार में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से बनाए गये कुछ ऐसे लोअर आ गये हैं, जिनमें कमर पर बहुत चौड़ा इलास्टिक लगा होता है। ऐसे लोअर पहनने में बेहद आरामदायक होते हैं और पेट पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। बाजार में ऐसे जींस और पैंट भी उपलब्ध हैं।

लेयरिंग से बनेगी बात

प्रेग्नेंसी के दौरान लेयरिंग की मदद से आप अपने आपको ज्यादा स्टाइलिश दिखा सकती हैं। मसलन, वन पीस ड्रेस के साथ एक हल्का श्रग, केप या स्मार्ट फिट जैकेट आपको कहीं ज्यादा फैशनेबल दिखाएगा।

इनरवियर भी है बेहद जरूरी

प्रेग्नेंसी में शरीर का आकार काफी बढ़ जाता है, इसलिए इस दौरान सही प्रकार के इनरवियर का चुनाव करना बहुत जरूरी है। बाजार में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किये गये मेटरनिटी वियर आसानी से उपलब्ध हैं। ये आरामदायक होते हैं। इन्हें पहनने से त्वचा पर निशान नहीं पड़ते। शरीर को अतिरिक्त सपोर्ट मिलता है और कमर में दर्द नहीं होता।

इन बातों का भी रखें ध्यान

ज्यादा रंग-बिरंगे कपड़े पहनने की जगह एक रंग चुनें। इलेक्ट्रिक ब्लू, ग्रीन, पर्पल, लाल रंग आपको खूबसूरत दिखाएंगे। गर्भवस्था का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप जरूरत से ज्यादा ढीले कपड़े ही पहनें। किसी स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनी ड्रेस के साथ एक ढीला श्रग पहन सकती हैं, जो खूबसूरती बढ़ाने के साथ आपके बढ़े हुए पेट को भी छिपा लेगा। प्रेग्नेंसी के दौरान फुटवियर पर भी विशेष ध्यान दें। किसी भी प्रकार की हील्स इस वक्त नहीं पहननी चाहिये, क्योंकि इससे कमर में दर्द हो सकता है। हील्स की जगह सैंडिल्स, पिलप-फ्लॉप्स, आरामदायक जूते व फ्लैट जूतियां पहनी जा सकती हैं।

कैंसर के इलाज के बीच सीरीज करने पर बोलीं हिना खान

एक्ट्रेस हिना खान उर्फ शेर खान टीवी, फिल्म में मजबूत किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। अपनी अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेत्री असल जिंदगी में भी एक फाइटर हैं। इन दिनों वह कैंसर जैसी बीमारी से जंग लड़ रही हैं। इसके अलावा अभिनेत्री गृह लक्ष्मी सीरीज में भी नजर आने वाली हैं। अब हाल ही में, हिना ने कैंसर की बीमारी के इलाज के बीच काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

मजबूती से खड़ी हैं हिना खान

हिना खान को अपने थर्ड स्टेज कैंसर का पता चलने के बाद जल्द ही एक साल होने वाला है और अभिनेत्री का कहना है कि 2024 और 2025 के बीच का अंतर यह है कि वह केवल मजबूत हुई हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अब भी वही हिना हूं। पुरानी हिना भी साहसी और मजबूत थी और यह हिना भी बहुत मजबूत और साहसी है और सच में अब वह बहुत मजबूत हो गई है।

बीमारी को कॉमन करने का किया पूरा प्रयास

हिना ने आगे कहा, मैंने अपनी इस पूरी जर्नी के दौरान काम किया है। मैंने कैंसर की बीमारी को कॉमन करने का पूरा प्रयास किया है। जब से मेरी कीमोथेरेपी शुरू हुई है तब से मैं काम कर रही हूं, शूटिंग कर रही हूं, यात्रा कर रहा हूं और डबिंग पूरी कर चुकी हूं। मैंने अपना रैंप वॉक किया। यही नहीं मैंने इंटरव्यूज तक दिए हैं। अगर मेरा शरीर अनुमति देता है, तो मैं काम करूंगी।

फैंस का किया शुक्रिया अदा

सोशल मीडिया पर फैंस के मिल रहे फैंस के प्यार को लेकर हिना ने कहा, मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि लोग इस तरह से प्रतिक्रिया देंगे या अपना प्यार बरसाएंगे। और, सिर्फ प्यार ही नहीं। जिस तरह से लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की। मैं सच में काफी इमोशनल हो गई थी।

बता दें कि गृह लक्ष्मी में हिना के अलावा चंकी पांडे, दिव्येंदु भट्टाचार्य, राहुल देव, हरीश, अभिषेक वर्मा, अंकित भाटिया और कुंज आनंद भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सात-एपिसोड की सीरीज रुमान किदवई द्वारा निर्देशित और कौशिक इजारदार द्वारा निर्मित है।

केआरके की आलोचना से परेशान उर्वशी, 'दबिड़ी दीबिड़ी' को वल्गर कहने पर बोलीं

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी वल्गर बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

केआरके ने गाने को बताया था अश्लील

केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए।

उर्वशी ने दिया मुंहतोड़ जवाब

उर्वशी ने केआरके पर निशाना साधते हुए लिखा, यह दुख की बात है कि कुछ लोग जिन्होंने कुछ हासिल नहीं किया, वे उन लोगों की आलोचना करने के हकदार महसूस करते हैं, जो अपने काम को लेकर काफी मेहनत करते हैं। असली शक्ति दूसरों को गिराने में नहीं है, बल्कि उन्हें ऊपर उठाने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में है। सोशल मीडिया पर भी हुई थी आलोचना सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जोड़ी के बीच उम्र के अंतर को लेकर भी आलोचना की है। 64 साल के अभिनेता-राजनेता एनबीके 30 साल की उर्वशी के साथ यह डांस कर रहे हैं। 'दबिड़ी दीबिड़ी' को शेखर मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। निर्माताओं ने अभी तक आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस दिन होगी रिलीज

डाकू महाराज में बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ और चंदिनी चौधरी भी शामिल हैं। बॉबी कोल्ली की लिखित और निर्देशित यह फिल्म 12 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

मुझे पसंद नहीं कोई मुझे ज्यादा तवज्जो दे

'ग्रीक गॉड' के नाम से मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन आज अपने 51वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीवन से जुड़े कुछ अटपटे वाकयों का जिक्र किया। ये भी कहा कि उनको कोई ज्यादा तवज्जो दे ये पसंद नहीं। अभिनेता ने कहा, जब मैंने यह डॉक्यूमेंट्री देखी तो मैं बिल्कुल हैरान रह गया। इसे इतनी खूबसूरती से निर्देशित किया गया है। अभिनेता ने बताया कि वह अपने दादा से कभी नहीं मिले।

उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को शानदार बताते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि मुझे जादुई तरीके से उनसे बात करने का मौका मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री देखने के बाद मैं वास्तव में उनसे उनके बचपन के बारे में पूछना चाहूंगा कि उन्होंने क्या-क्या झेला, मुझे आश्चर्य है कि वह मुझसे क्या पूछेंगे। मुझे लगता है कि वह मुझसे पूछ सकते हैं कि क्या मैं खुश हूं? अभिनेता ने साल 2000 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' को अपनी प्रेरणा बताया। अभिनेता ने कहा, मैं उनका शुक्रिया अदा करूंगा क्योंकि मैं अक्सर सोचता हूं कि जब मैं अपनी पहली फिल्म कर रहा था तो मेरे अंदर क्या प्रेरणा थी। वह क्या थी? यह कहां से आया? इसका सबसे आसान जवाब यह है कि यह पहले से ही मेरी जीन में था और यही आगे बढ़ता गया। ऋतिक रोशन को उनके आकर्षक लुक के कारण बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि उन्हें ध्यान आकर्षित करना पसंद नहीं है। अभिनेता ने कहा, जब मेरे डैड ने कहा कि वह यह डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहते हैं, तो मुझे अजीब लग रहा था। मुझे ध्यान आकर्षित कराना पसंद नहीं है और फिर मुझे यह एहसास हुआ कि यह मेरे बारे में नहीं है। यह इतिहास के बारे में है और इतिहास महत्वपूर्ण है। यह मेरे पूर्वजों, मेरे मॉम-डैड, मेरे दादा, मेरे चाचा के बारे में है।

शाहरुख खान ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'चामुंडा' को ठुकराया

शाहरुख खान ने दिनेश विजान की फिल्म 'चामुंडा' का ऑफर ठुकरा दिया है। शाहरुख को 'चामुंडा' में मुख्य भूमिका की पेशकश की गई थी। कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि शाहरुख खान मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। मैडॉक ने शाहरुख खान को जो सब्जेक्ट ऑफर किए थे, उनमें से एक 'चामुंडा' थी, जिसे 2026 में रिलीज किया जाना है। हालांकि, अब किंग खान ने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में, मैडॉक शाहरुख खान को आलिया भट्ट के साथ 'चामुंडा' के लिए कास्ट करना चाहता था। हालांकि, चीजें उनके मुताबिक नहीं हुईं। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया शाहरुख खान पहले से बने यूनिवर्स में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसके बजाय मैडॉक और अमर कौशिक के साथ एक नई दुनिया शुरू करना चाहते थे।

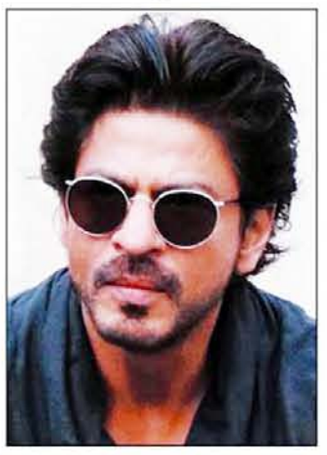

उन्होंने दोनों से कुछ नया लेकर आने और पहले कभी ना की गई शैली को तलाशने के लिए कहा है। दोनों अब 'चामुंडा' के लिए नए नाम की तलाश कर रहे हैं और कुछ सालों में शाहरुख खान के साथ मिलकर कुछ नया करने की उम्मीद है।

फिर से छाएगा आशिकी 2 जैसा जादू, क्या रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगे श्रद्धा कपूर-आदित्य?

श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड की सबसे मशहूर ऑनस्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं। उनकी फिल्में आशिकी 2 और ओके जानू ने उनकी जादुई रोमांटिक केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। कथित तौर पर श्रद्धा और आदित्य एक रोमांटिक फिल्म के लिए फिर से साथ आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक बार फिर से श्रद्धा कपूर और आदित्या रॉय कपूर की रोमांटिक जोड़ी साथ नजर आ सकती है। जानकारी के अनुसार, दोनों स्टार्स मोहित सूरी की अगली फिल्म के लिए साथ आ सकते हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। बहरहाल, मोहित सूरी और उनकी क्रिएटिव टीम द्वारा कहानी और स्क्रीनप्ले पर काम किया जा रहा है। हो सकता है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा भी की जा सकती है।

दर्शकों को पसंद है श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी

श्रद्धा और आदित्य के प्रशंसक उन्हें एक बार फिर किसी फिल्म में साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके एक साथ पिछली फिल्मों की बात करें तो आशिकी 2 एक बड़ी सफलता थी। मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों ने अपनी प्रेम कहानी, अभिनय और खास तौर पर संगीत के लिए पसंद किया था। इसके गाने आज भी लोकप्रिय हैं। 2017 में श्रद्धा और आदित्य ने रोमांटिक ड्रामा ओके जानू में भी काम किया है। शाद अली द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं चली, लेकिन श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी सभी को पसंद आई। श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। श्रद्धा को आखिरी बार हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में देखा गया था।

वामिका ने भूत बंगला के लिए शुरू की शूटिंग

अभिनेत्री वामिका गब्बी अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। वामिका इस फिल्म की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंच गई हैं। उन्होंने सेट से अपना पहला लुक भी साझा किया है। वामिका ने अपना चेहरा कवर कर रखा है।

साझा किए बीटीएस मोमेंट्स

पहले ही खबरें आ चुकी हैं कि वामिका अक्षय कुमार की भूत बंगला में नजर आने वाली हैं। सेट से अब वामिका ने अपने बीटीएस मोमेंट्स शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा कि ये नहीं चाहते कि मैं अपना लुक नहीं दिखाउंगी।

फिल्म में नजर आएंगी तब्बू

जयपुर शेड्यूल में शहर के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई आउटडोर शूटिंग शामिल होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी।

साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला का निर्माण शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा किया गया है। फिल्म का सह-निर्माण फारा शेख और वेदांत बाली ने किया है। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है और पटकथा रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने लिखी है। संवाद रोहन शंकर के हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर साधा निशाना

कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी में भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इजरजेंसी में कंगना ने अभिनय के साथ ही निर्देशन भी किया है। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड निर्देशकों पर अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि अगर इंडस्ट्री में अच्छे फिल्म निर्माता होते तो उन्हें अपनी फिल्मों का निर्देशन नहीं करना पड़ता।

कंगना ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर ताना कसते हुए कहा कि जिस तरह से वे महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं वह अत्याचारी है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, उन्होंने साउथ की फिल्मों में महिला नायक को जिस तरह से दिखाया किया जाता है, उससे भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि वह उनकी जगह नहीं बनना चाहतीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, कंगना रनौत ने कहा, मैं अपने आस-पास के निर्देशकों से निराश हूं।अगर हमारे पास अच्छे निर्देशक होते, तो मुझे खुद निर्देशन करने की जरूरत नहीं पड़ती। यह किसी का अपमान करने के लिए नहीं है, लेकिन पूरी ईमानदारी से, अगर आपको लगता है कि कोई ड्रीम डायरेक्टर है ,जिसके साथ मैं काम करना चाहती हूं, तो ऐसा कोई नहीं है। कंगना ने आगे कहा पिछले पांच सालों से मेरा यही मामला रहा है। खासकर वे जो बड़ी फिल्में बना रहे हैं, जिनमें महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं, वह दूसरे स्तर पर अत्याचारी है। फिल्म इंडस्ट्री में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है जिसके साथ वह काम करना चाहती हों। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने इंटरव्यू में आगे कहा, चाहे क्वीन हो, तनु वेड्स मनु हो या फिर मेरे शुरुआती सालों में मैंने गैंगस्टर, फैशन जैसी फिल्में की हों। इन सभी फिल्मों में मेरे सभी निर्देशक नए थे। मैंने कभी किसी खान की फिल्म या यशराज की फिल्म में काम नहीं किया। कंगना ने कहा, मैं निर्देशकों, लेखकों से बहुत निराश रही हूं और मैंने सोचा बस अब बहुत हो गया। मैं कुछ करूंगी और खुद ही करूंगी। यह बहुत अच्छा रहा है।

जिगरा के फ्लॉप होने को एक सबक के तौर पर लिया

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी थी। फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी निर्देशक वसन बाला ने खुद ली थी। हालांकि, आलिया भट्ट के छोटे भाई का किरदार निभा रहे वेदांग रैना इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा कि ये कुछ ऐसा था, जिस पर मैंने बहुत विश्वास किया था।

एक इंटरव्यू में वेदांगा रैना ने कहा कि फिल्म जिगरा ने उन पर और उनके करियर पर बहुत असर डाला। उन्होंने पूरी टीम के प्रति अपनी सहानुभूति भी व्यक्त की, उनकी कड़ी मेहनत को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता को उन्होंने एक सीख की तरह लिया।

वेदांग रैना ने की करियर की बात

वेदांग ने कहा, जिगरा फिल्म के निर्माण के दौरान उनके पास कोई विशेष करियर योजना नहीं थी। उन्होंने इसे द आर्चीज के बाद एक महत्वपूर्ण अवसर माना और फिल्म के लिए अपना शानदार प्रदर्शन किया था।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-11 ने महायज्ञ के साथ किया नववर्ष का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता और महासचिव दिनेश कृष्णन व उनकी संपूर्ण टीम के नेतृत्व में सेक्टर-11 के 64 परिवारों ने नववर्ष का स्वागत रविवार को सेक्टर-11 बारात घर में महायज्ञ करके किया। इसके अलावा श्री राममंदिर की द्वितीय स्थापना दिवस पर एल ब्लॉक के मंदिर में भव्य कार्यक्रम किया गया।

अनुज गुप्ता ने बताया कि पहले यह हवन बारात घर के प्रांगण में होना था लेकिन बरसात के चलते इसे बारात घर के अंदर करना पड़ा। सभी आरडब्ल्यूए निवासियों ने भरपूर सहयोग किया और हवन करके पुण्य के भागी बने। पूजन हवन के बाद भंडारा प्रसाद का भी वितरण हुआ। जिसका लाभ हवन में शामिल यजमान परिवारों के अलावा समस्त सेक्टर वासी व राहगीरों ने भी उठाया। गौरतलब है कि आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता के नेतृत्व में पिछले वर्ष भी एक महायज्ञ का अनुष्ठान हुआ था जिसमें सेक्टर वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था और वैसा ही माहौल आज भी देखने को मिला। बरसात का मौसम होने के बावजूद भी लोगों ने इस यज्ञ में बढ़ चढ़कर भागीदारी की।

शास्त्री व स्वामी विवेकानंद को याद किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री द्रोणाचार्य (पीजी) कॉलिज, दनकौर में लाल बहादुर शास्त्री एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर महाविद्यालय के सचिव रजनीकान्त अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ0 गिरीश कुमार वत्स के दिशा-निर्देशन में लाल बहादुर शास्त्री के देहवासान दिवस को 'स्मृति दिवस' के रूप में तथा स्वामी विवेकानन्द की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाई गई। भारत के स्वाधीनता संग्राम में शास्त्री अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। वे स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को राष्ट्रीय एकता और शांति का संदेश दिया। स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिवस को युवा दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत वर्ष 1984 से की गयी थी। इस दिन युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानन्द को स्मरण कर उनके विचार और कार्यो को जन-युवाओं तक पहुँचाकर उन्हें देश विकास हेतु प्रेरित किया जाता है।

हीमोफीलिया सोसायटी में फिजियोथेरेपी जागरूकता शिविर सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। हीमोफीलिया सोसायटी नोएडा चैप्टर ने नोएडा सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल में हीमोफीलिया में फिजियोथेरेपी जागरूकता शिविर और नि:शुल्क फैक्टर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि थे। लेकिन व्यस्तता के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण नागरवाल ने हीमोफीलिया में फिजियोथेरेपी के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित रोगियों को परामर्श प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन दोपहर के भोजन के साथ हुआ, जिसके बाद INTAS फाउंडेशन द्वारा नोएडा और आस-पास के जिलों से आए लगभग 60 रोगियों को नि:शुल्क फैक्टर वितरित किया गया। यह जानकारी सोसाइटी की सक्रिय पदाधिकारी अल्पना भटनागर ने दी।

सेक्टर-62 में 'एक दौड़ देश के नाम' मैराथन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 'एक दौड़ देश के नाम' मैराथन ओर तंबोला, म्यूजिकल चेयर, क्रिकेट खेलो का भी आयोजन किया गया।

आरडब्ल्यूए महासचिव गोपाल शर्मा ने बताया कि मैराथन दौड़ में सभी आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। क्रिकेट टूर्नामेंट में सभी 10 -20 आयु के बच्चों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा म्यूजिकल चेयर, तंबोला गेम में सभी आयु वर्ग महिलाए ने हिस्सा लिया। इन सारे खेल गतिविधियाँ में सभी निवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी निवासी इन खेल आयोजन से काफी संतुष्ट महसूस हुए।

इस दौरान आरडब्ल्यूए प्राधिकारी, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से सम्पन्न पंजाबी विकास मंच का लोहड़ी कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। पंजाबी विकास मंच के द्वारा शनिवार को लोहड़ी का पर्व धूमधास से मनाया गया। इस आयोजन में भांगड़ा, गिदा और पंजाबी गाने व कविता गाए गए जिसमें लोगों ने संगीत व ढोल पर डांस भी किया। इस कार्यक्रम में पंजाबी समाज ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। नोएडा के इस खास समारोह में शामिल हुए अतिथियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा नोएडा के सांसद डॉ. महेश शर्मा, नेता कैप्टन विकास गुप्ता (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) विपिन अग्रवाल और दिनेश यादव सपा से, पंकज अवाना पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा आप पार्टी से, अनिल यादव राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन शर्मा प्रदेश सायोंजक सोशल मीडिया कांग्रेस से, फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के.के. जैन, विकास जैन अध्यक्ष युवा व्यापार मंडल, संजय मावी, अध्यक्ष सेक्टर 56 आदि कई लोग थे।

सभी अतिथियों का स्वागत मंच पर पंजाबी विकास मंच के संरक्षकों व चेयरमैन दीपक विग और प्रधान जी. के. बंसल डिप्टी चेयरमैन संजीव पुरी द्वारा गुलदस्ते व शाल भेंट कर किया गया।

नोएडा में आयोजित इस समारोह के मुख्य वक्ता पंजाबी विकास मंच के चेयरमैन दीपक विग ने कहा कि, पंजाबी कोई जाति नहीं है बल्कि 10,000 साल पुरानी संस्कृति है।

पंजाबी विकास मंच के डिप्टी चेयरमैन संजीव पुरी ने बताया कि वास्तव में लोहड़ी शीतकालीन संक्रांति के बाद लंबे दिनों के आगमन का उत्सव है जो एक मध्य सर्दियों का त्यौहार है और हिमालय पर्वत के पास के क्षेत्रों से शुरू होता है जहां सर्दियां उपमहाद्वीप के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक ठंडी होती हैं। हिंदू और सिख पारंपरिक रूप से रबी मौसम की फसल के काम के हफ्तों के बाद अपने आंगन में अलाव जलाते हैं, आग के चारों ओर सामाजिक रूप से एकजुट होते हैं, सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत को चिह्नित करते हुए एक साथ गाते और नृत्य करते हैं और लोहड़ी का उत्सव मनाते हैं।

नोएडा पंजाबी एकता समिति ने किया लोहड़ी पर धमाल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-51 स्थित शेवरान बैंक्वेट हॉल में नोएडा पंजाबी एकता समिति ने लोहड़ी के कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, सहारनपुर शहर से विधायक राजीव गुंबर, नोएडा पंजाबी एकता समिति के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र मेहता, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, सपा के महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता सपा के वरिष्ठ नेता सुनील चैधरी, एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन, वीके सेठ, संदीप विरमानी, राकेश कोहली, समेत शहर के दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वही, सांसद डॉ महेश शर्मा ने यहाँ नोएडा पंजाबी एकता समिति के सदस्य के परिवारजनों द्वारा तैयार किया गया गिद्दा देखने के बाद भाषण दिया। उन्होंने पूरा भाषण पंजाबी भाषा में दिया और यहाँ लोगों को लोहड़ी की बताएंगे सांसद का भाषण सुनकर पंजाबी समाज गदगद हो गया उनके भाषण में ऐसा लग रहा था वाकई कोई पंजाब का ही मूल निवासी भाषण दे रहा है।